Sample

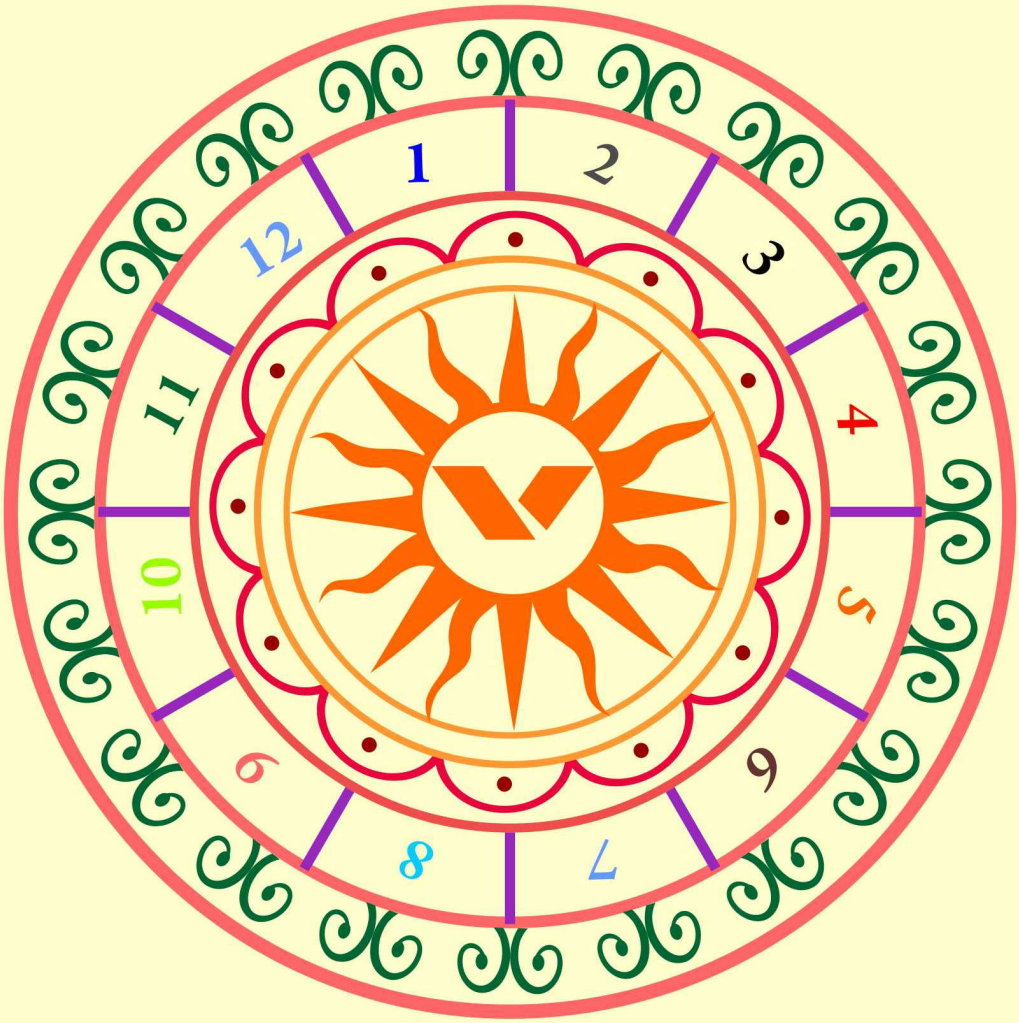

वर्षफल कुण्डली

Ajit Kumar Singh

Contact - --------------------------

* While all precautions have been taken for the accuracy of the astrological calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

ज्योतिष सारिणी जन्म/वर्षफल

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए **भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष**

	Sample	Sample
जन्म दिन :	18 दिसम्बर 1973 (मंगलवार)	18 दिसम्बर 2020 (शुक्रवार)
ज्योतिषिय वार :	सोमवार	वृहस्पतिवार
जन्म समय:	01:45:00AM	02:55:01
जन्म स्थान :	Ballia , INDIA	Sasaram , INDIA
रेखांश :	084:10:00E	084:02:00E
अक्षांश :	025:45:00N	024:57:00N
समयक्षेत्र :	-05:30:00 hrs	-05:30:00 hrs
समय संशोधन :	00:00:00 hrs	00:00:00 hrs
जी. एम. टी. समय:	20:15:00 hrs	21:25:01 hrs
स्थानीय समय संस्कार :	00:06:40 hrs	00:06:08 hrs
स्थानीय समय:	01:51:40 hrs	03:01:09 hrs
इष्टकाल :	47: 52: 16 Ghati	----

लग्न :	कन्या	तुला
लग्नाधिपति :	बुध	शुक्र
राशि (चन्द्रमा) :	कन्या	मकर
राशिपति :	बुध	शनि
नक्षत्र :	हस्त	श्रवण
नक्षत्रपति :	चन्द्रमा	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण :	2	2
पाया :	स्वर्ण	लौह
ऋतु :	हेमन्त	हेमन्त
मास :	पौष	अग्रहन
पक्ष :	कृष्ण	शुक्ल
तिथि :	नवमी	चतुर्थी
तिथि श्रेणी :	रिक्ता	रिक्ता
तिथि पति :	सूर्य	बुध
करण :	गरिज	विष्टी
करण श्रेणी :	चर	चर
करणपति :	वासुदेव	यम
सूर्य सिद्धान्त योग :	सौभाग्य	ब्याधात
तत्व :	अग्नि	वायु
तत्वाधिपति :	मंगल	शनि
विहग :	वायस	कुक्कुट
वेध :	शतभिषा	आर्द्रा
आद्याक्षर :	ष, षि, षु, षे, षो	खु

वर्षफल कुण्डली में ग्रह स्थिति

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01

जन्म समय					वर्षफल				
ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र		ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	
लग्न	कन्या	28:15:29	चित्रा (2)	–	लग्न	तुला	13:43:52	स्वा. (3)	–
सूर्य	धनु	02:15:49	मूला (1)	मित्र राशि	सूर्य	धनु	02:15:51	मूला (1)	मित्र राशि
चन्द्रमा	कन्या	16:00:57	हस्ता (2)	स्व नक्षत्र	चन्द्रमा	मकर	14:21:04	श्रव. (2)	स्व नक्षत्र
मंगल	मेष	04:42:18	अश्वि. (2)	स्व राशि	मंगल	मीन	27:39:44	रेव. (4)	मित्र राशि
बुध अ.	वृश्चिक	19:51:24	ज्येष्ठा (1)	स्व नक्षत्र	बुध अ.	धनु	01:00:11	मूला (1)	सम राशि
गुरू	मकर	17:56:39	श्रव. (3)	नीच राशि	गुरू	मकर	05:29:42	उ.षा. (3)	नीच राशि
शुक्र	मकर	13:00:16	श्रव. (1)	मित्र राशि	शुक्र	वृश्चिक	08:37:02	अनु. (2)	सम राशि
शनि व.	मिथुन	08:12:33	आर्द्रा (1)	मित्र राशि	शनि	मकर	05:55:36	उ.षा. (3)	स्व राशि
राहु व.	धनु	05:10:35	मूला (2)	सम राशि	राहु व.	वृष	25:27:35	मृग. (1)	उच्च राशि
केतु व.	मिथुन	05:10:35	मृग. (4)	सम राशि	केतु व.	वृश्चिक	25:27:35	ज्येष्ठा (3)	उच्च राशि
हर्षल	तुला	03:20:59	चित्रा (4)	सम राशि	हर्षल व.	मेष	12:53:45	अश्वि. (4)	सम राशि
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20:41	अनु. (4)	सम राशि	नेपच्यून	कुम्भ	24:07:12	पू.भा. (2)	सम राशि
प्लूटो	कन्या	13:11:14	हस्ता (1)	सम राशि	प्लूटो	धनु	29:35:52	उ.षा. (1)	सम राशि

मुन्था राशि – सिहं

मुन्था भाव – 11

लग्न कुण्डली (वर्षफल)

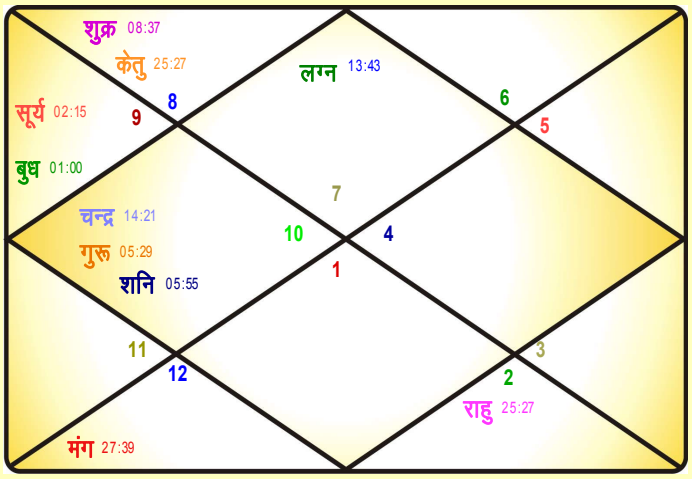

वर्ष चन्द्र कुण्डली

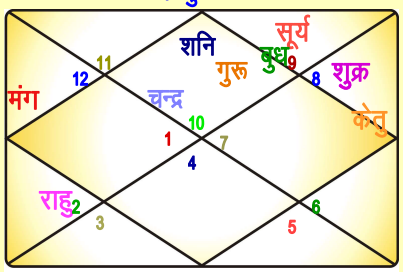

वर्ष भाव चलित कुण्डली

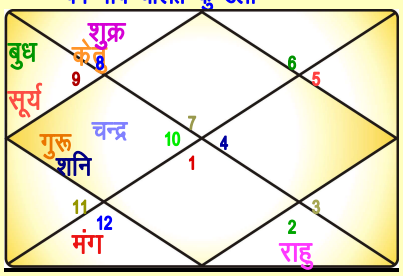

जन्म चन्द्र कुण्डली

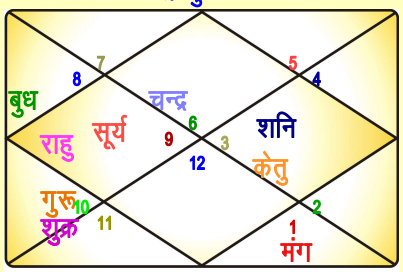

जन्म भाव चलित कुण्डली

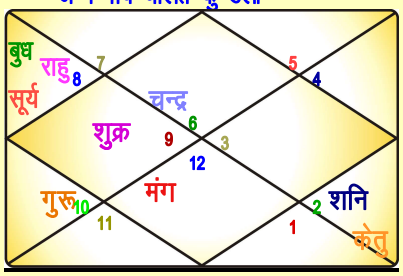

लग्न कुण्डली (जन्म)

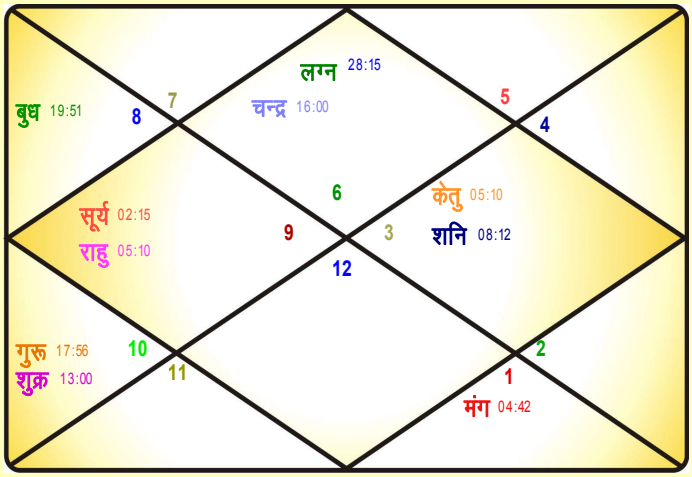

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01

पंचवर्गीय बल

क स	बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	15.00	07.50	22.50	15.00	07.50	22.50	30.00
2	उच्च बल	05.81	07.93	13.37	11.56	00.06	04.62	11.56
3	हद्दा बल	07.50	11.25	15.00	07.50	07.50	15.00	07.50
4	द्रेक्कन बल	02.50	07.50	10.00	10.00	10.00	07.50	02.50
5	नवांश बल	01.25	03.75	03.75	01.25	01.25	02.50	05.00
कुल बल		8.01	9.48	16.16	11.33	6.58	13.03	14.14
तुलनात्मक बल		साधारण	साधारण	पूर्णबली	बलशाली	साधारण	बलशाली	बलशाली

द्ववादश वर्गीय बल

क स	बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
1	राशि बल	0	0	-1	0	0	-1	+2
2	होरा बल	+2	+2	0	0	0	-1	0
3	द्रेक्कन बल	0	-1	+2	0	0	-1	+2
4	चतुर्थांशं बल	0	-1	-1	0	0	-1	+2
5	पंचमांशं बल	0	0	-1	0	-1	-1	-1
6	षष्टांशं बल	0	0	-1	0	-1	-1	-1
7	सप्तमांशं बल	0	-1	-1	0	0	-1	0
8	अष्टमांशं बल	0	+2	-1	0	-1	+2	-1
9	नवांशं बल	0	-1	-1	0	0	0	+2
10	दसांशं बल	0	0	0	0	-1	0	-1
11	एकादसांशं बल	0	0	-1	0	+2	-1	0
12	द्ववादशांशं बल	0	0	-1	0	+2	-1	0
कुल बल		+2	0	-7	0	0	-7	+4
तुलनात्मक बल		संतोषप्रद	सम	बहुत बुरा	सम	सम	बहुत बुरा	अच्छा

हर्ष बल

क स	बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0	0	5	0	0	0	0
2	क्षेत्र बल	0	0	0	0	0	0	5
3	ओज–युग्म बल	0	0	5	5	5	5	0
4	दिवा–रात्रि बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल बल		0	5	10	10	5	10	10
तुलनात्मक बल		निर्बली	अल्पबली	मध्यबली	मध्यबली	अल्पबली	मध्यबली	मध्यबली

द्वादश वर्ग कुण्डली

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01

लग्न कुण्डली (व.फ.)

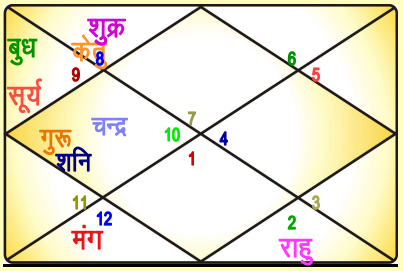

होरा कुण्डली (व.फ.)

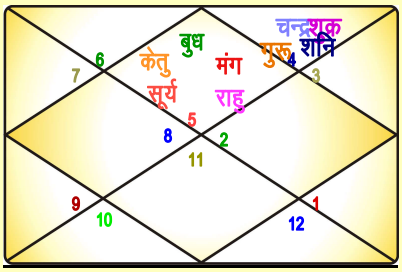

द्रेष्काण कुण्डली (व.फ.)

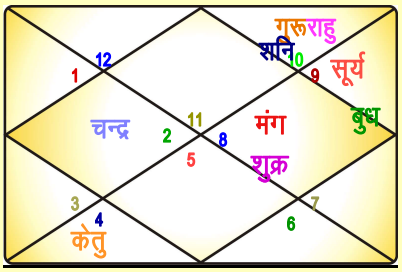

चतुर्थांश कुण्डली (व.फ.)

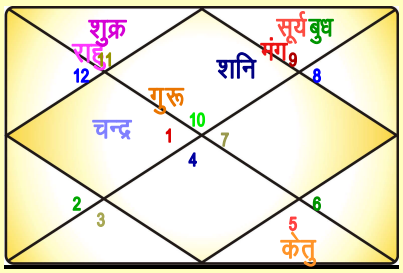

पंचमांश कुण्डली (व.फ.)

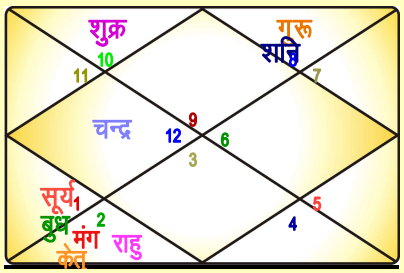

षष्टमांश कुण्डली (व.फ.)

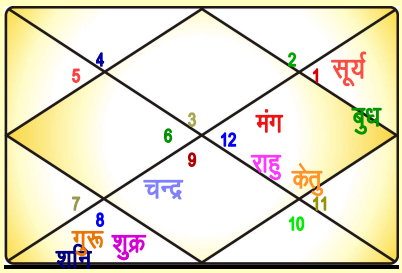

सप्तमांश कुण्डली (व.फ.)

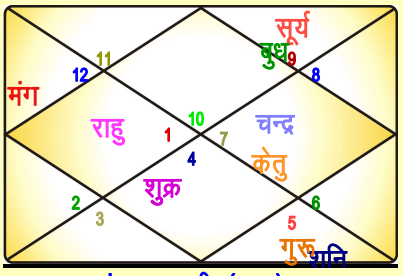

अष्टमांश कुण्डली (व.फ.)

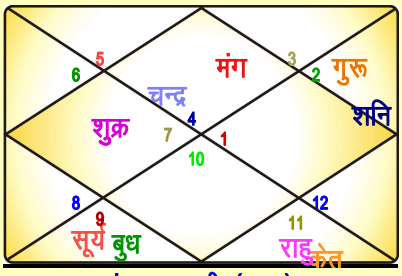

नवांश कुण्डली (व.फ.)

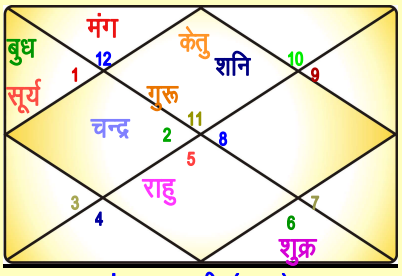

दशमांश कुण्डली (व.फ.)

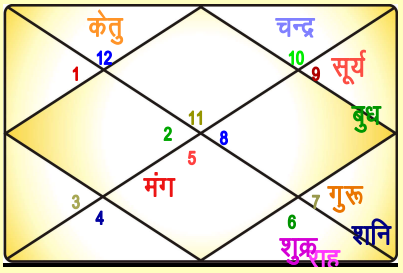

एकादशांश कुण्डली (व.फ.)

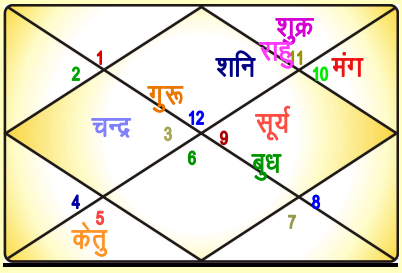

द्वादशांश कुण्डली (व.फ.)

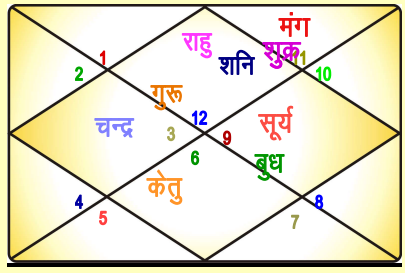

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	...	सम	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	सम	सम	सम	सम	सम
चन्द्रमा	सम	...	गु.प्रेम	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
मंगल	गु.शत्रु	गु.प्रेम	...	गु.शत्रु	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम
बुध	प्र.शत्रु	सम	गु.शत्रु	...	सम	सम	सम	सम	सम
गुरू	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	सम	...	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
शुक्र	सम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	सम	गु.प्रेम	...	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु
शनि	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	...	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
राहु	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	सम	प्र.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	...	प्र.शत्रु
केतु	सम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	सम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	...

प्र.प्रेम : प्रकट प्रेम दृष्टि गु.प्रेम : गुप्त प्रेम दृष्टि प्र.शत्रु : प्रकट शत्रु दृष्टि

गु.शत्रु : गुप्त शत्रु दृष्टि सम : सम दृष्टि

वर्षफल सहम

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01

क्र.स.	सहम का नाम	राशि	अंश	सहमेश	एकादशेश	अष्टमेश
1	पुण्य सहम (भाग्य)	कन्या	001:38:40	बुध	चन्द्रमा	मंगल
2	विद्या सहम	धनु	025:49:04	गुरू	शुक्र	चन्द्रमा
3	यश सहम	कर्क	009:52:49	चन्द्रमा	शुक्र	शनि
4	मित्र सहम (मित्र)	सिहं	004:45:59	सूर्य	बुध	गुरू
5	महात्य सहम (महानता)	वृष	009:44:57	शुक्र	गुरू	गुरू
6	आशा सहम (इच्छा)	कुम्भ	005:28:01	शनि	गुरू	बुध
7	समर्थ सहम (पुरूषार्थ)	वृष	024:41:09	शुक्र	गुरू	गुरू
8	भ्रात्रि सहम (भाई)	तुला	013:17:59	शुक्र	सूर्य	शुक्र
9	गौरव सहम (सम्मान)	मकर	011:07:12	शनि	मंगल	सूर्य
10	पितृ सहम (पिता)	कन्या	010:04:08	बुध	चन्द्रमा	मंगल
11	राजा सहम (अधिकार)	कन्या	010:04:08	बुध	चन्द्रमा	मंगल
12	मात्रि सहम (माता)	सिहं	007:59:50	सूर्य	बुध	गुरू
13	अपत्य सहम (संतान)	वृश्चिक	022:35:13	मंगल	बुध	बुध
14	जीव सहम (जीवन)	तुला	013:17:59	शुक्र	सूर्य	शुक्र
15	कर्म सहम (कार्रवाई)	मिथुन	017:04:19	बुध	मंगल	शनि
16	रोग सहम	कर्क	013:06:40	चन्द्रमा	शुक्र	शनि
17	काली सहम (कलह, संघर्ष)	कुम्भ	005:53:54	शनि	गुरू	बुध
18	शास्त्र सहम (उच्च शिक्षा)	मकर	001:26:05	शनि	मंगल	सूर्य
19	बन्धु सहम (रिश्तेदार)	धनु	027:04:44	गुरू	शुक्र	चन्द्रमा
20	निधन सहम	मिथुन	013:42:35	बुध	मंगल	शनि
21	परदेश सहम (विदेश)	मीन	029:43:15	गुरू	शनि	शुक्र
22	धन सहम (धन)	मीन	027:01:16	गुरू	शनि	शुक्र
23	प्रदर सहम (परस्त्रीगमन)	धनु	007:22:42	गुरू	शुक्र	चन्द्रमा
24	वनिज सहम (धंधा)	कन्या	000:23:00	बुध	चन्द्रमा	मंगल
25	कार्यसिद्धि सहम (सफलता)	धनु	027:30:07	गुरू	शुक्र	चन्द्रमा
26	विवाह सहम	मकर	011:02:26	शनि	मंगल	सूर्य
27	संताप सहम (दुःख)	मेष	022:47:48	मंगल	शनि	मंगल
28	श्रद्धा सहम (भक्ति)	मेष	002:46:35	मंगल	शनि	मंगल
29	प्रिति सहम (प्यार)	कर्क	013:56:27	चन्द्रमा	शुक्र	शनि
30	जाड्य सहम (स्थाई रोग)	कन्या	009:16:03	बुध	चन्द्रमा	मंगल
31	ब्यापार सहम	कुम्भ	005:28:01	शनि	गुरू	बुध
32	शत्रु सहम	कर्क	021:59:43	चन्द्रमा	शुक्र	शनि
33	जलपत्तन सहम (विदेश यात्रा)	मेष	004:39:27	मंगल	शनि	मंगल
34	बंधन सहम (कारावास)	कुम्भ	018:00:48	शनि	गुरू	बुध
35	अपघात सहम (आकस्मिक दुर्घटना)	सिहं	027:01:16	सूर्य	बुध	गुरू
36	वित्तहानि सहम	मकर	000:21:43	शनि	मंगल	सूर्य
37	त्रिक स्फूट (दुर्घटना)	मेष	015:06:55	मंगल	शनि	मंगल
38	घात स्थान (अनहोनी)	मिथुन	026:46:21	बुध	मंगल	शनि

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01

पत्ययनी दशा

क्र.स.	दशा का नाम	दशा काल	से ––तक
1	बुध	0 y.0 m.13 d.	18:12:2020 To 31:12:2020
2	सूर्य	0 y.0 m.16 d.	31:12:2020 To 17:01:2021
3	गुरू	0 y.1 m.12 d.	17:01:2021 To 28:02:2021
4	शनि	0 y.0 m.6 d.	28:02:2021 To 06:03:2021
5	शुक्र	0 y.1 m.5 d.	06:03:2021 To 10:04:2021
6	लग्न	0 y.2 m.7 d.	10:04:2021 To 17:06:2021
7	चन्द्रमा	0 y.0 m.8 d.	17:06:2021 To 25:06:2021
8	मंगल	0 y.5 m.23 d.	25:06:2021 To 18:12:2021

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

क्र.स.	दशा का नाम	दशा काल	से ––तक
1	राहु	0 y.1 m.24 d.	18:12:2020 To 10:02:2021
2	गुरू	0 y.1 m.18 d.	10:02:2021 To 31:03:2021
3	शनि	0 y.1 m.27 d.	31:03:2021 To 28:05:2021
4	बुध	0 y.1 m.21 d.	28:05:2021 To 19:07:2021
5	केतु	0 y.0 m.21 d.	19:07:2021 To 09:08:2021
6	शुक्र	0 y.2 m.0 d.	09:08:2021 To 09:10:2021
7	सूर्य	0 y.0 m.18 d.	09:10:2021 To 27:10:2021
8	चन्द्रमा	0 y.1 m.0 d.	27:10:2021 To 26:11:2021
9	मंगल	0 y.0 m.21 d.	26:11:2021 To 18:12:2021

मुद्दा योगिनी दशा

क्र.स.	दशा का नाम	दशा काल	से ––तक
1	मंगला (चन्द्रमा) दशा	0 y.0 m.10 d.	18:12:2020 To 28:12:2020
2	पिंगला (सूर्य) दशा	0 y.0 m.20 d.	28:12:2020 To 17:01:2021
3	धन्या (बृहस्पति) दशा	0 y.1 m.0 d.	17:01:2021 To 16:02:2021
4	भ्रमरी (मंगल) दशा	0 y.1 m.10 d.	16:02:2021 To 29:03:2021
5	भद्रिका (बुध) दशा	0 y.1 m.20 d.	29:03:2021 To 19:05:2021
6	उल्का (शनि) दशा	0 y.2 m.0 d.	19:05:2021 To 19:07:2021
7	सिद्धा (शुक्र) दशा	0 y.2 m.10 d.	19:07:2021 To 28:09:2021
8	संकटा (राहु) दशा	0 y.2 m.20 d.	28:09:2021 To 18:12:2021

मुद्दा षोडशोत्तरी दशा

क्र.स.	दशा का नाम	दशा काल	से ––तक
1	मंगल	0 y.1 m.7 d.	18:12:2020 To 24:01:2021
2	गुरू	0 y.1 m.10 d.	24:01:2021 To 06:03:2021
3	सूर्य	0 y.1 m.4 d.	06:03:2021 To 10:04:2021
4	मंगल	0 y.1 m.7 d.	10:04:2021 To 18:05:2021
5	गुरू	0 y.1 m.10 d.	18:05:2021 To 28:06:2021
6	शनि	0 y.1 m.13 d.	28:06:2021 To 11:08:2021
7	केतु	0 y.1 m.17 d.	11:08:2021 To 27:09:2021
8	चन्द्रमा	0 y.1 m.20 d.	27:09:2021 To 16:11:2021

आपकी कुण्डली में मुद्दा षोडशोत्तरी दशा प्रभावी नहीं है।

वर्ष जैमिनी चर दशा

क्र.स.	दशा का नाम	दशा काल	से ––तक
1	तुला दशा	0 y.0 m.4 d.	18:12:2020 To 21:12:2020
2	वृश्चिक दशा	0 y.0 m.15 d.	21:12:2020 To 05:01:2021
3	धनु दशा	0 y.0 m.4 d.	05:01:2021 To 09:01:2021
4	मकर दशा	0 y.1 m.15 d.	09:01:2021 To 23:02:2021
5	कुम्भ दशा	0 y.1 m.11 d.	23:02:2021 To 06:04:2021
6	मीन दशा	0 y.1 m.7 d.	06:04:2021 To 13:05:2021
7	मेष दशा	0 y.1 m.11 d.	13:05:2021 To 24:06:2021
8	वृष दशा	0 y.1 m.7 d.	24:06:2021 To 31:07:2021
9	मिथुन दशा	0 y.1 m.7 d.	31:07:2021 To 07:09:2021
10	कर्क दशा	0 y.1 m.7 d.	07:09:2021 To 15:10:2021
11	सिहं दशा	0 y.1 m.0 d.	15:10:2021 To 14:11:2021
12	कन्या दशा	0 y.1 m.3 d.	14:11:2021 To 18:12:2021

त्रिपताकी चक्र

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01

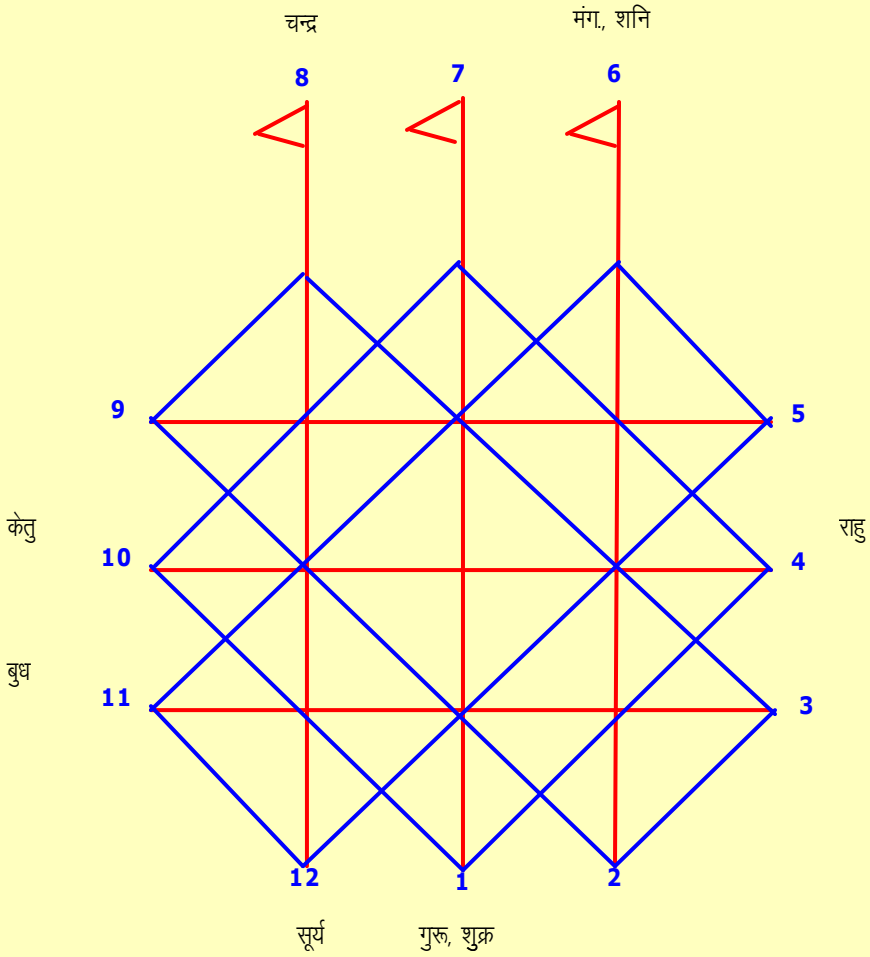

त्रिपताकी चक्र में वेध

लग्न :मंग., बुध, शनि	बुध :सूर्य, मंग., शनि
सूर्य :चन्द्र, बुध	गुरू :शुक्र, राहु, केतु
चन्द्रमा :सूर्य	शुक्र :गुरू, राहु, केतु
मंगल :बुध, शनि	शनि :मंग., बुध

ग्रहों द्वारा चन्द्र वेध का फल

सूर्य आत्मविश्वास की कमी, बदनामी, वृथा अंहकार, दोषयुक्त आँखें, पिता को कठिनाई, मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन, उच्च ज्वर, पित्तजनित रोग तथा निराशायें।

मंग. :शत्रुओं से भय, हथियार, रक्त अनियमित्तत, दुर्घटनायें, शरीर में दर्द और चोट, शीघ्र क्रोधित होना, लड़ाई–झगड़ा, संघर्ष, हिंसा, लेकिन साथ ही ज्ञान व धन की प्राप्ति भी।

बुध :ज्ञान व बुद्धिमत्ता में वृद्धि, तीक्ष्ण बुद्धि, अच्छे लोगों की संगति और धन का लाभ। लेकिन यदि दूषित है, तो व्यक्ति उतावला व क्षुद्र दिमाग वाला होता है, परिवार की नाराजगी, तनाव और चिन्ताओं की प्राप्ति तथा शत्रुओं से भय।

गुरु :शांति और प्रसन्नता, सभ्य लोगों की संगति, तीर्थ यात्रा, धार्मिक कार्यों के प्रति रूझान, सामाजिक स्तर में उन्नति, धन का लाभ, उपक्रमों के सफलता, संतान का जन्म, और सामान्य समृद्धि।

शुक्र :इच्छाओं की पूर्ति, इन्द्रिय सुख की प्राप्ति, धन–संपदा व शिक्षा की प्राप्ति, शत्रुओं पर विजय। लेकिन शारीरिक सुख के प्रति अत्यधिक लालसा होने के कारण मानसिक व्यग्रता, जल से भय और वातमय विकार।

शनि :तुच्छ व निम्न स्तर के लोगों के साथ संगति, स्वार्थी, तानाशाही, गरीबी, वियोग, यौन विकृति, शारीरिक रोग, सर्दी व जुकाम के साथ–साथ वातमय विकार।

राहु :गंभीर बीमारी/आशंका, मान–प्रतिष्ठा/धन की हानि, विदेशी स्रोतों से कठिनाईयां, उदासीन मन, डरपोक स्वभाव तथा अनेक प्रकार की कठिनाइयों से पीड़ित।

केतु अस्वस्थता, कमजोर पाचनशक्ति, अस्थिरता, आत्मिक व घुमन्तु प्रकृति, निराशा, चिन्तायें और दुख।

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01

वर्ष पंचाधिकारी

स्वामित्व	ग्रह	बल
मुन्थेश	सूर्य	8.01
जन्म लग्नेश	बुध	11.33
वर्ष लग्नेश	शुक्र	13.03
त्रिराशिपति	शनि	14.14
दिनरात्रिपति	शनि	14.14

वर्षेश्वर और मुन्था

वर्षेश	शनि
मुन्था – राशि	सिहं 028:15:29
मुन्था – भाव	11
मुन्थेश	सूर्य
मुन्थेश – भाव	3

वर्ष समुद्र चक्र

पर्वत उ.फा. ह. **चन्द्र**	किनारा चि.	समुद्र स्वा. वि. अनु.	किनारा ज्ये.	पर्वत मू. पू.षा.
पर्वत पु.फा.				किनारा उ.षा.
समुद्र पु. अषा. मघा				किनारा अभि. श्र. ध.
किनारा पु.र्व				किनारा शभि.
पर्वत मृ.शि अरि.	किनारा रो.	समुद्र अश. भर. कृ.	किनारा रे.	पर्वत पू.भा. उ.भा.

इस वर्ष समुद्र चक्र में, आपका जन्म नक्षत्र (हस्ता 28 नक्षत्र गणना के आधार पर) पर्वत पर है। यह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होगा, आपको धन सम्पदा की प्राप्ति होगी।

वर्षफल कुण्डली से महत्वपूर्ण भविष्यफल

(अष्टक चक्र, ढुढिंराजा पद्धति, वर्षेश्वर और मुन्था)

आपकी वर्षफल कुण्डली में, पूर्व भाग में शेष बचता है, जबकि उत्तर भाग में कोई शेष नहीं बचता है, अतः आपका आगामी समय प्रयासपूर्ण हो सकता है– विशेषकर वर्ष के उत्तरार्द्ध में। यदि आपकी कुण्डली में संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो संभवतः आप धन के अवरूद्ध हो जाने के कारण अथवा हानि होने के कारण असुविधाओं का सामना कर सकते हैं।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि वर्षेश्वर ग्रह है।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, वर्षेश्वर ग्रह अपनी राशि में स्थित है। यह ना तो अस्त है और ना ही ग्रसित है। यह एक अनुकूल संकेत है तथा आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, वर्षेश्वर शनि है। अतः यह वर्ष आपके लिए कुछ–कुछ समस्यात्मकहो सकता है। आपका स्वास्थ्य अथवा मिजाज उत्तम नहीं रह सकता है। आप अपने व्यवसाय में एक अस्थाई आघात का सामना कर सकते हैं अथवा आप असफलता या निराशा के कारण अप्रसन्न हो सकते हैं। आपके कुछ नए परिचितों के कारण आपको दुख हो सकता है तथा प्रबल संभावना है कि वह व्यक्ति विपरीत लिंग का हो सकता है। सुखद पक्ष यह है कि आप एक नया लाभप्रद रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा नया व्यापार या कार्यशाला/कारखाना शुरू कर सकते हैं। किसी भिन्न समुदाय या धर्म तथा दूरस्थ स्थान से संबंधित या निवास करने वाले किसी व्यक्ति के संपर्क में आ सकते हैं और उससे कोई अवसर प्राप्त कर सकते हैं। यद्यपि आपको कठिन परिश्रम करने की आवश्यकता हो सकती है, फिर भी आपके पद और पारिश्रमिक में वृद्धि होगी तथा साथ ही आपका जीवन स्तर भी ऊँचा होगा।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मुन्था ग्यारहवें में है। जैसाकि यह एक अत्यंत प्रशंसनीय स्थिति है,इसलिए आप कई मामलों में अत्यंत भाग्यशाली होंगे, जो कि सबको प्रसन्न करेगा। आपकी गतिविधियां बहुत जीवंत होंगी एवं आपकी आय हर समय से अधिक होगी। आप जिस भी कार्य को हाथ लगाएंगे उससे सोना बरसेगा अर्थात अत्यधिक सफलता मिलेगी। आपकी सभी अभिलाषित इच्छाएं पूरी होंगी एवं आपकी कुछ महात्वकांक्षाएं फलीभूत होंगी। आप अपने वरिष्ठों से प्रत्यक्ष समर्थन एवं सरकारी स्रोतों भी से अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करेंगे। हालांकि आपकी माता का बिगड़ता हुआ स्वास्थ्य आपको कुछ चिन्तित कर सकता है।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मुन्था–राशि सूर्य की राशि सिंह में है। आगामी वर्ष आपके लिए अनुकूल होगा। आपको अपने सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी एवं अपने वरिष्ठों व अधिकारियों से समर्थन व लाभ प्राप्त होगा। आप बहुत उत्साही और आशावादी होंगे। पद व प्रतिष्ठा वाले व्यक्तियों से मित्रता स्थापित करने के लिए यह समय आपके लिए बहुत अनुकूल है। प्रबल संभावना है कि आपको एक नया चुनौतीपूर्ण रोजगार मिल सकता है या आप और अधिक प्रतिष्ठित पद पर आसीन हो सकते हैं। आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी एवं सामान्यतः लोग आप से सम्मानजनक व्यवहार करेंगे।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मुन्था–राशि चंद्रमा की राशि कर्क में स्थित है। किसी अशुभ ग्रह के साथ युति अथवा दृष्टि (ताजिक) के कारण राशि और इसके स्वामी दोनों ही पीड़ित हैं। आगामी वर्ष आपके लिए काफी समस्यात्मक हो सकता है। आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है एवं आपका घरेलू

जीवन कदापि खुशहाल नहीं हो सकता है। आप अपने व्यवसाय में एक अस्थाई आघात का सामना कर सकते हैं अथवा किन्हीं कारणों से व्यथित हो सकते हैं। विवाहित महिलाओं की आपके प्रति प्रतिकूल भावनाहो सकती है, वे आपके साथ बुरा व्यवहार कर सकती हैं या कटु, कठोर अथवा यहां तक कि अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर सकती हैं। आप अपनी लोकप्रियता खो सकते हैं एवं आपकी विश्वसनीयता व सम्मान में भी कमी आ सकती है।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मुन्था–राशि का स्वामी जन्मकुण्डली में जिस राशि में स्थित है, वर्षफल कुण्डली में भी उसी राशि में स्थित है। इसलिए यह वर्ष महत्वपूर्ण और घटनाओं से भरा होगा। जैसाकि वर्षफल कुण्डली में मुन्था–राशि के स्वामी की किसी भी ग्रह के साथ युति है अथवा दृष्टि (ताजिक) संबंध नहीं है, इसलिए वर्ष के आरम्भ में एवं वर्ष के अन्त में भी कुछ अनुकूल अवसर या घटनाएं घटित होने की आशा है अर्थात इस वर्ष एक बार आपके जन्मदिन के कुछ दिनों के बाद एवं अगले वर्ष आपके जन्मदिन के कुछ दिनों से तुरन्त पहले।

पत्ययिनी दशा से भविष्यफल

बुध दशा

(18:12:2020 To 31:12:2020)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। बुध की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आप कफमय एवं वातमयरोगों से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ–कुछ बिगड़ सकती है एवं अपने किसी सहकर्मी से विवाद होने के कारण आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सूर्य दशा

(31:12:2020 To 17:01:2021)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से यह एक उदासीन योग का निर्माण करता है। अतः सूर्य की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है एवं आप अपने किसी वरिष्ठ अथवा सहकर्मी के साथ मामूली असहमति अथवा गलतफहमी के कारण झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा राहु (या केतु) के निकट स्थित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

गुरू दशा

(17:01:2021 To 28:02:2021)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। गुरु की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आपके कुछ पारिवारिक सदस्य– विशेषकर आपकी संतान– संभवतः कफमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। अथाव आर्थिक परेशानी के कारण आप अपने वचनों को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत करना अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है।

शनि दशा

(28:02:2021 To 06:03:2021)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शनि की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको नऐपरिचितों एवं विदेशी स्रोतों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आपका परिचय कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के साथ हो सकता है, जिसके कारण आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी एवं आपके स्तर में सुधार होगा। आपमें संतोष की भावना विकसित होगी, किन्तु अपने प्रयुक्त किए जाने वाले साधनों/उपायों पर आपको नजर रखना चाहिए। साथी आपको सावधान व सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि आपके किसी दुर्घटना का सामना करने और/या वातमय रोगों से पीड़ित होने का खतरा है।

शुक्र दशा

(06:03:2021 To 10:04:2021)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यहग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शुक्र की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय होगा।

लग्न दशा

(10:04:2021 To 17:06:2021)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तर्कसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

चन्द्रमा दशा

(17:06:2021 To 25:06:2021)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त भी नहीं है। अतः चंद्रमा की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/समारोह के होगी। हालांकि आप अपने घरेलू क्षेत्र में कुछ समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके कुछ पारिवारिक–सदस्य क्रोधपूर्ण ढंग से बात व व्यवहार कर सकते हैं, जिसके कारण आप काफी चिड़चिड़े व अप्रसन्न हो सकते हैं।

मंगल दशा

(25:06:2021 To 18:12:2021)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः मंगल की

दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। या फिर आप अपने सगे या चचेरे भाई यापड़ोसी के साथ संपत्ति–विवाद में फंस सकते हैं, जिसके कारण आप झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा अस्त या ग्रसित होने के कारण दूषित नहीं है। वास्तव में यह एक अनुकूल योग हैएवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ एवं सरकारी अधिकारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

वर्षफल – 47

(वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

वर्षेश और अन्य कारकों का फल –

आपका वर्षेश शनि इस वर्ष मध्यम बली है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्य रूप से फलदायक रहेगा। रोगादि के कारण आप स्वयं को शारीरिक रूप से अस्वस्थ महसूस कर सकते हैं। आप नेत्र,कण्ठ, छाती व पीठ से संबंधित किसी रोग के कारण पीड़ित हो सकते हैं। आपकी रूचि नौकरीऔर पशुओं में उत्पन्न होगी एवं आपको इनसे लाभ भी मिलेगा। आपको धूर्त, ठग व लूटेरों आदि से सावधान रहना चाहिए, क्योंकि इनसे आपको किसी प्रकार की हानि हो सकती है। छोटे वनिम्न वर्ग के लोग आपको हानि पहुंचाने का निरंतर प्रयास कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी पदावनति भी हो सकती है।

इस वर्ष आपके वर्षेश शनि की चंद्रमा के साथ युति है या इसकी उस पर दृष्टि पड़ रही है। अतः यह वर्ष आपके लिए कष्टप्रद साबित हो सकता है। इस वर्ष धन हानि होने की संभावना है तथा खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आपकी पुत्री को शारीरिक रूप से अत्यधिक पीड़ा हो सकती है। आपके जीवनसाथी को कुक्षि/गर्भाशय एवं शरीर के अन्य भागों से संबंधित कोई रोग हो सकता है।आपको कोख/उदर से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है। वायव्य कोण की ओर की जाने वाली यात्रा आपके लिए कष्टकारी हो सकती है। आपको अपने किसी निकट संबंधी के वियोग का सामना करना पड़ सकता है। किसी से विवाद होने की भी संभावना है।

इस वर्ष आपके वर्षेश शनि की गुरु के साथ युति है या इसकी उस पर दृष्टि पड़ रही है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतः अनुकूल रहेगा। आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी एवं लोग आपके प्रति सम्मान की भावना रखेंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च पद प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। आपके जीवन में सुख–शांति बनी रहेगी। आपका अपने जीवनसाथी के साथ प्रेमपूर्ण व सुखद संबंध रहेगा तथा पूर्ण सहयोग भी प्राप्त होगा। आपके मन में दैवी शक्तियों, ब्राह्मणों, बड़े व बुजुर्ग व्यक्तियों के प्रति श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी। आपको भूमि संबंधी एवं आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। आप किसी तीर्थ यात्रा पर भी जा सकते हैं।

इस वर्ष आपकी वर्षफल कुण्डली में वर्षेश चतुर्थ भाव में उपस्थित है। अतः यह वर्ष आपके लिए सुख–सौभाग्य प्रदान करने वाला होगा। आपके मन में अपने गुरुजनों, परिवार जनों, वरिष्ठ व सम्माननीय लोगों के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न होगी। आपको अच्छे मित्रों की संगति प्राप्त होगी एवं उनसे सुख की प्राप्ति होगी, आपके शत्रु पराजित होंगे एवं आपकी विजय होगी। राज्य पक्षव आपके कार्यक्षेत्र में आपके वरिष्ठ अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे एवं आपका सम्मान करेंगे। आपके परिवार की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

जन्म लग्न का फल –

आपकी जन्मकुण्डली में लग्न की राशि आपकी वर्षकुण्डली में बारहवें भाव में स्थित है। यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल फलदायक हो सकता है। आपके व्यर्थ के खर्चों में वृद्धि हो सकती है, अपने अनावश्यक व्यय के लिए धन कर्ज लेना पड़ सकता है। आपकी झूठी निन्दा हो सकती है। इन परेशानियों के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं, किन्तु आपको बिना विचलित हुए धैर्यपूर्वक इनका

सामना करना चाहिए।

कुण्डली के भावों का उनके कारकत्व के अनुसार विश्लेषण

लग्न भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, लग्नेश दूसरे भाव में स्थित है। यह वर्ष आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप धनार्जन करेंगे, आपके प्रताप व पराक्रम में वृद्धि होगी, तथा आपको उत्तम वस्त्राभूषणों की भी प्राप्ति होगी।

आपकी वर्षकुण्डली में, चंद्रमा, बुध, बृहस्पति या शुक्र में से कोई दो ग्रह केन्द्र में स्थित हैं, दोनों में से कोई नीचस्थ अथवा अस्त नहीं है। यह योग सभी प्रकार के अरिष्टों को अवश्य समाप्त करेगा।

आपकी वर्षकुण्डली में, चंद्रमा लग्न से चौथे, छठे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में स्थित है। इस वर्ष आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है।

द्वितीय भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, शुक्र दूसरे भाव में स्थित है। इसलिए, यह वर्ष आपके लिए अनुकूल होगा। इस वर्ष आप शारीरिक दृष्टि से चुस्त–दुरूस्त रहेंगे। आपका मन प्रसन्नचित्त रहेगा। आप विपरीत लिंग के व्यक्तियों की ओर आकर्षित हो सकते हैं एवं उनके साथ आपके सुखद संबंध बन सकते हैं। इस वर्ष आपको उत्तम मात्रा में धन की प्राप्ति होने की संभावना है। आपके मित्रों की संख्या में वृद्धि होगी। आप अपने शत्रुओं को परास्त कर उनका नाश करेंगे। आप अल्प प्रयासों से ही अपने कार्यों में वांछित सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी वर्षकुण्डली में, केतु दूसरे भाव में स्थित है। अतः इस वर्ष कोई आपके विरूद्ध योजना बना सकता है अथवा किसी को आपके विरूद्ध उकसाने का प्रयास कर सकता है अथवा आपको बदनाम करने की कोशिश कर सकता है। आपकी बुद्धि मन्द होने से आपकी निर्णय क्षमता क्षीण हो सकती है। आपको राज्य पक्ष या कार्य क्षेत्र से संबंधित कार्यों में कुछ कठिनाई हो सकती है।

आपकी वर्षकुण्डली में, द्वितीयेश छठवें भाव में स्थित है। इस वर्ष रोगादि के कारण अत्यधिक धन खर्च करना पड़ सकता है। आपको अपने मातृ–पक्ष के लोगों से लाभ हो सकता है, इसके अतिरिक्त आप वाहन आदि जैसे सवारी के साधनों से भी लाभार्जन कर सकते हैं।

तृतीय भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली मे सूर्य तीसरे भाव में स्थित है। इसलिए यह वर्ष आपके लिए अनुकूल है। इस वर्ष में आपको धन, मान–सम्मान एवं पदोन्नति की प्राप्ति होने की संभावना है। आपको अपने प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे एवं अधिकारियों से सम्मान प्राप्त करेंगे। इस वर्ष आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, किन्तु आपके सहोदर भाई–बहनों के लिए कष्टप्रद हो सकता

है।

आपकी वर्षकुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। इसलिए, इस वर्ष आपकी स्थिति सामान्यतः पूर्ववत बनी रह सकती है। आपको लाभ की प्राप्ति पूर्व की भांति ही होती रहेगी एवं धनोपार्जन में कोई परिवर्तन नहीं होगा। इस वर्ष आप व्यापार में रूचि ले सकते हैं। आपका अपने मित्रों एवं परिजनों से यथावत संबंध बना रहेगा तथा सुख–दुख की स्थिति भी पहले की ही तरह रहेगी। आपअनेक यात्राएं कर सकते हैं। लाभ–हानि में भी कोई परिवर्तन नहीं आएगा। संक्षेप में इस वर्ष आपकी स्थिति में कोई परिवर्तन होने के योग नहीं हैं।

आपकी वर्षकुण्डली में, तृतीयेश चौथे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको पदोन्नति प्राप्त होने की संभावना है। आपको अपने भ्रातृ–पक्ष से धन के अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी लाभ की प्राप्ति हो सकती है। आपको भूमि–भवन आदि का सुख प्राप्त होने योग हैं।

चतुर्थ भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में चंद्रमा चौथे भाव में स्थित है। इसलिए, यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक होगा। आपको जीवनसाथी एवं सतान का सुख प्राप्त होगा एवं उनके साथ शांतिपूर्ण एवं मधुर संबंधरहेगा। धन–लाभ की प्राप्ति, भूमि–भवन संबंधि उन्नति एवं वाहन का सुख भी प्राप्त होने के योग हैं। आपके व्यवसाय की स्थिति उत्तम रहेगी, आपको कृषि कार्य से भी लाभ होगा एवं पशुधन की प्राप्ति भी हो सकती है।

आपकी वर्षकुण्डली में बृहस्पति चौथे भाव में स्थित है। इसलिए यह वर्ष आपके लिए बहुत अनुकूल फलदायक होगा। इस वर्ष आप शिक्षा के क्षेत्र में उत्तम शिक्षा अर्जित करने के साथ–साथ सफलता भी प्राप्त कर सकते हैं। आपका पारिवारिक जीवन सुखमय एवं शांतिपूर्ण व्यतीत होगा तथा अपने परिवारजनों के साथ आपका संबंध अच्छा रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता आएगी। कार्यक्षेत्र में आप उन्नति करेंगे, आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आय के नये माध्यम प्राप्त होंगे। कृषि संबंधी कार्यों से भी आपको लाभ की प्राप्ति होने के योग हैं। इस वर्ष आपको भूमि–भवन की प्राप्ति हो सकती है अर्थात आप कोई संपत्तिक्रय कर सकते हैं, साथ ही आप वाहन का सुख भी प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी वर्षकुण्डली में, शनि चौथे भाव (सुख–भाव)में स्थित है। इसलिए, यह वर्ष आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। आप अपने जीवनसाथी के कारण चिन्तित रह सकते हैं तथा आपकी माता को भी शारीरिक कष्ट हो सकते हैं। इस वर्ष आप विभिन्न परेशानियों के कारण मानसिक रूपसे अशांत हो सकते हैं। आप संपत्ति संबंधी किसी परेशानी का सामना कर सकते हैं तथा वाहनके कारण भी कोई परेशानी हो सकती है। इस वर्ष आपके विरोधी आपको परेशान कर सकते हैं। आपको प्रवास भी करना पड़ सकता है। आपको चोर, ठगों, लुटेरों आदि जैसे असामाजिक तत्वों से भी सावधान रहना चाहिए, उनसे हानि होने का भय है।

आपकी वर्षकुण्डली में, चतुर्थेश चौथे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको राज्य पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा अथवा कार्यक्षेत्र में स्थिति उत्तम एवं सहयोगपूर्ण रहेगी। आपको उत्तम व स्वादिष्ट भोजन का आनन्द प्राप्त

होगा।

आपकी वर्षकुण्डली में, बृहस्पति और चंद्रमा केन्द्र में स्थित हैं अथवा बृहस्पति और शुक्र चौथे भाव मेंस्थित हैं। इस वर्ष आपको बहुत कठिन परिश्रम के बाद गड़े हुए धन की प्राप्ति होने की संभावना है।

आपकी वर्षकुण्डली में चतुर्थेश चौथे भाव में स्थित है। यह वर्ष आपके माता–पिता के लिए उत्तम रहेगा।

पंचम् भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, पंचमेश चौथे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको संतान संबंधी सुख की प्राप्तिहोगी। आप अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रयोग करके धनोपार्जन करने में सफल होंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में पाँचवें भाव का स्वामी, आपकी वर्षकुण्डली में क्रूर ग्रहों के साथ स्थित है। इस वर्ष आपको संतान से संबंधित दुख हो सकता है।

षष्टम् भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में मंगल छठवें भाव में स्थित है। इसलिए यह वर्ष आपके लिए अनुकूल है। आपका बौद्धिक विकास होगा एवं आप उन्नति करेंगे, जिससे आपको सुखों की प्राप्ति होगी। आपकाअपने अधिकारियों से संबंध अच्छे रहेंगे एवं उनसे आपको लाभ की प्राप्ति भी हो सकती है। आपके मित्र आपका सहयोग करेंगे तथा आपके शत्रु परेशान रहेंगे एवं आपके प्रति षडयंत्र रचने में सफल नहीं हो सकेंगे। आपको उत्तम धन लाभ एवं वाहन का सुख प्राप्त होने की संभावना है।

आपकी वर्षकुण्डली में, षष्ठेश चौथे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको कृषि संबंधी कार्यों से कम लाभ होने की संभावना है। जबकि आपको वाहन का सुख प्राप्त होने के प्रबल योग हैं।

सप्तम् भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, सप्तमेश छठवें भाव में स्थित है। इस वर्ष आपके जीवनसाथी को रोगादि के कारण शारीरिक कष्ट हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपका उनसे विवाद या मतमुटाव रह सकताहै।

आपकी वर्षकुण्डली में, बृहस्पति शुक्र की जन्म–राशि में केन्द्र या त्रिकोण में स्थित है। यदि आप विवाह योग्य हैं और अविवाहित हैं, तो इस वर्ष आपका विवाह होने की पूर्ण संभावना है।

आपकी वर्षकुण्डली में, विवाह सहम का स्वामी शुक्र की जन्म–राशि में केन्द्र या त्रिकोण में स्थित है।यदि आप विवाह योग्य हैं और अविवाहित हैं, तो आपका इस वर्ष विवाह होने के योग हैं।

अष्टम् भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, राहु आठवें भाव में स्थित है। इसलिए, यह वर्ष आपके लिए अनुकूल नहीं

हो सकता है। इस वर्ष आपके जीवनसाथी को किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है या उनसे विवाद हो सकता है। आप भी शारीरिक दुर्बलता व कान्तिहीनता का शिकार हो सकते हैं। आपके स्वजनों को कोई कष्ट हो सकता है या उनसे विरोध हो सकता है। आपको दूरस्थ स्थानों या विदेश की यात्रा में कष्ट या धन हानि होने की संभावना है। इस वर्ष व्यर्थ के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

आपकी वर्षकुण्डली में, अष्टमेश दूसरे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको अपने जीवनसाथी से किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपको धन हानि की स्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है।

आपकी जन्मकुण्डली में बुध मंगल की राशि में है, जो कि वर्षकुण्डली में पंचाधिकारियों में से एक है। इस वर्ष आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है, आप रोगादि से ग्रसित रह सकते हैं।

नवम् भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, नवमेश तीसरे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको अपने बन्धु–बान्धवों से सुख–सुविधा की प्राप्ति होने के योग हैं। आपका अपने उच्चाधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे एवं उनसे भी आपको सहयोग व लाभ की प्राप्ति होगी, जो आपके लिए भाग्यवर्द्धक साबित होगा।

दशम् भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, दशमेश चौथे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको भूमि–भवन संबंधी लाभ हो सकते हैं। आपको घर, मकान आदि से किराये–भाड़े के रूप में आय प्राप्त हो सकती है। आप धनसंग्रह करने में भी सक्षम होंगे।

आपकी वर्षकुण्डली में, दसवें भाव में सूर्य के साथ या सिंह राशि में मुन्था है। इस वर्ष आपको उच्चराजकीय नौकरी प्राप्त होने की संभावना सर्वाधिक है।

आपकी वर्षकुण्डली में, वर्षेश या लग्नेश उच्चस्थ, स्वगृही या मूल त्रिकोण राशि में स्थित है। इस वर्षआपकी उन्नति की संभावनायें प्रबल होंगी।

आपकी वर्षकुण्डली में, राज्येश/दशमेश का चतुर्थेश से युति या दृष्टि संबंध है। इस वर्ष आपको जल मार्ग की यात्रा करनी पड़ सकती है।

एकादश भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, एकादशेश तीसरे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको बगीचे, उपवन आदि से संबंधित सुख प्राप्त हो सकता है। आपके कार्य क्षेत्र में सुखद स्थिति रहेगी।

आपकी वर्षकुण्डली में, मुन्था या मुन्थेश ग्यारहवें भाव में स्थित है। इस वर्ष आप शिक्षा एवं बौद्धिक कार्यों में उपलब्धियां प्राप्त करेंगे।

द्वादश भाव का विश्लेषण –

आपकी वर्षकुण्डली में, द्वादशेश तीसरे भाव में स्थित है। इस वर्ष आपको वाहन का सुख प्राप्त होनेकी संभावना है। आपको अपने मित्रों से भी लाभ व सहयोग की प्राप्ति होगी। आप प्रसन्नचित्त रहेंगे।

आपकी वर्षकुण्डली में, द्वादशेश तीसरे भाव (पराक्रम भाव) में स्थित है। इस वर्ष आपको अपने कार्योंमें असफलता का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 18:12:2020	मास प्रवेश समय : 02:55:01

मासिक कुण्डली

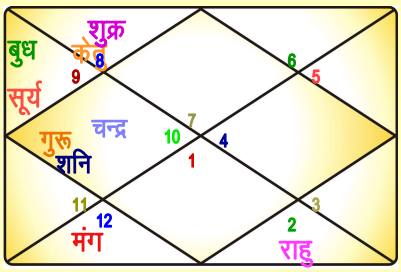

वर्ष कुण्डली

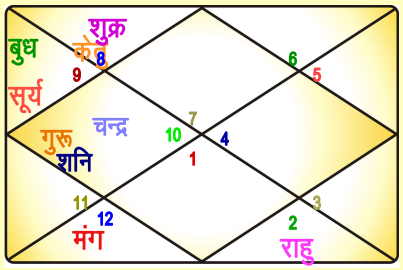

जन्म कुण्डली

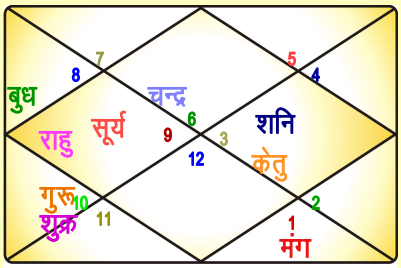

चन्द्र कुण्डली

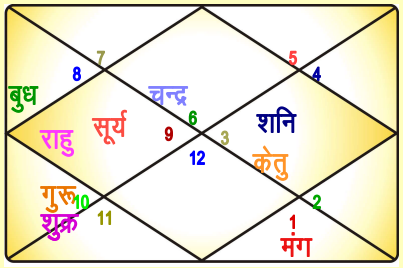

भाव चलित कुण्डली

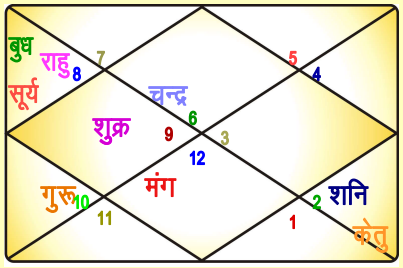

मासिक कुण्डली (1)

18:12:2020–16:01:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	तुला	13:43:52	स्वा. (3)	–
सूर्य	धनु	02:15:51	मूला (1)	मित्र राशि
चन्द्रमा	मकर	14:21:04	श्रव. (2)	स्व नक्षत्र
मंगल	मीन	27:39:44	रेव. (4)	मित्र राशि
बुध अ.	धनु	01:00:11	मूला (1)	सम राशि
गुरू	मकर	05:29:42	उ.षा. (3)	नीच राशि
शुक्र	वृश्चिक	08:37:02	अनु. (2)	सम राशि
शनि	मकर	05:55:36	उ.षा. (3)	स्व राशि
राहु व.	वृष	25:27:35	मृग. (1)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	25:27:35	ज्येष्ठा (3)	उच्च राशि
हर्षल व.	मेष	12:53:45	अश्वि. (4)	सम राशि
नेपच्यून	कुम्भ	24:07:12	पूभा. (2)	सम राशि
प्लूटो	धनु	29:35:52	उ.षा. (1)	सम राशि

मुन्था राशि : सिहं

मुन्था भाव : एकादश

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	15.00	07.50	22.50	15.00	07.50	22.50	30.00
उच्च बल	05.81	07.93	13.37	11.56	00.06	04.62	11.56
हद्दा बल	07.50	11.25	15.00	07.50	07.50	15.00	07.50
द्रेक्कन बल	02.50	07.50	10.00	10.00	10.00	07.50	02.50
नवांश बल	01.25	03.75	03.75	01.25	01.25	02.50	05.00
योग	8.01	9.48	16.16	11.33	6.58	13.03	14.14

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	5	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	0	0	0	0	5
ओज–युग्म बल	0	0	5	5	5	5	0
दिवा–रात्रि बल	0	5	0	5	0	5	5
योग	0	5	10	10	5	10	10

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	सूर्य	8.01
जन्म लग्नेश	बुध	11.33
वर्ष लग्नेश	शुक्र	13.03
मास लग्नेश	शुक्र	13.03
त्रिराशिपति	शनि	14.14
दिनरात्रिपति	शनि	14.14

मासपति और मुन्था

मासेश	शनि
मुन्था – राशि	सिहं (028:15:29)
मुन्था – भाव	11
मुन्थेश	सूर्य
मुन्थेश – भाव	3

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 16:01:2021	मास प्रवेश समय : 13:33:01

मासिक कुण्डली

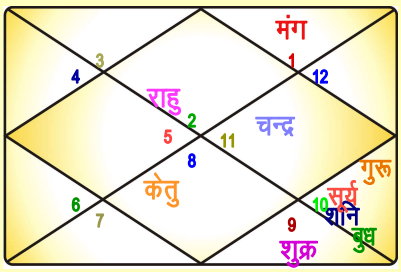

वर्ष कुण्डली

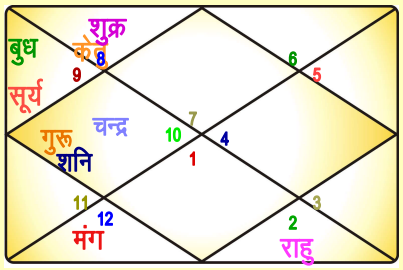

जन्म कुण्डली

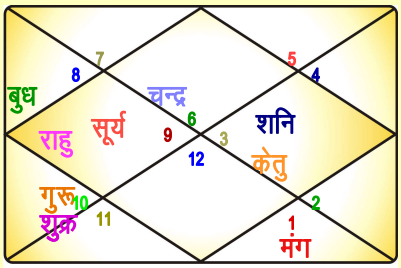

चन्द्र कुण्डली

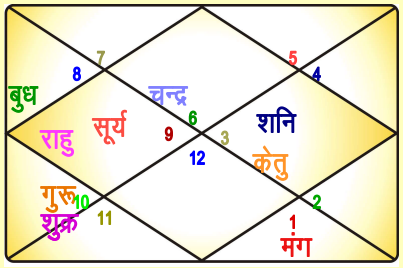

भाव चलित कुण्डली

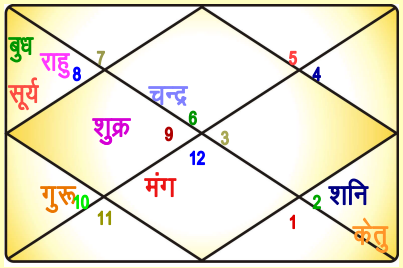

मासिक कुण्डली (2)

16:01:2021–15:02:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	वृष	08:48:56	कृति. (4)	–
सूर्य	मकर	02:15:47	उ.षा. (2)	स्व नक्षत्र
चन्द्रमा	कुम्भ	11:08:31	श.भि. (2)	सम राशि
मंगल	मेष	10:19:48	अश्वि. (4)	स्व राशि
बुध	मकर	18:25:50	श्रव. (3)	सम राशि
गुरू अ.	मकर	12:11:58	श्रव. (1)	नीच राशि
शुक्र	धनु	15:29:02	पू.षा. (1)	स्व नक्षत्र
शनि अ.	मकर	09:15:58	उ.षा. (4)	स्व राशि
राहु व.	वृष	23:53:58	मृग. (1)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	23:53:58	ज्येष्ठा (3)	उच्च राशि
हर्षल	मेष	12:34:36	अश्वि. (4)	सम राशि
नेपच्यून	कुम्भ	24:40:06	पू.भा. (2)	सम राशि
प्लूटो अ.	मकर	00:32:56	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : पंचम्

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	07.50	15.00	30.00	07.50	07.50	15.00	30.00
उच्च बल	09.14	10.90	11.96	06.29	00.80	08.72	11.19
हद्दा बल	03.75	07.50	11.25	07.50	15.00	15.00	03.75
द्रेक्कन बल	02.50	05.00	02.50	02.50	02.50	07.50	02.50
नवांश बल	01.25	02.50	03.75	05.00	01.25	02.50	01.25
योग	6.04	10.23	14.87	7.2	6.76	12.18	12.17

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	5	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	5	0	0	0	5
ओज–युग्म बल	0	0	5	5	0	5	5
दिवा–रात्रि बल	5	0	5	0	5	0	0
योग	10	0	15	5	5	5	10

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	7.2
जन्म लग्नेश	बुध	7.2
वर्ष लग्नेश	शुक्र	12.18
मास लग्नेश	शुक्र	12.18
त्रिराशिपति	शुक्र	12.18
दिनरात्रिपति	शनि	12.17

मासपति और मुन्था

मासेश	शनि
मुन्था – राशि	कन्या (000:45:29)
मुन्था – भाव	5
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	9

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 15:02:2021	मास प्रवेश समय : 02:56:01

मासिक कुण्डली (3)

15:02:2021–17:03:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	धनु	04:56:45	मूला (2)	–
सूर्य	कुम्भ	02:15:48	धनि. (3)	शत्रु राशि
चन्द्रमा	मीन	08:42:39	उ.भा. (2)	सम राशि
मंगल	मेष	26:00:31	भर. (4)	स्व राशि
बुध व.	मकर	19:12:23	श्रव. (3)	सम राशि
गुरू	मकर	19:11:49	श्रव. (3)	नीच राशि
शुक्र अ.	मकर	22:31:14	श्रव. (4)	मित्र राशि
शनि	मकर	12:45:07	श्रव. (1)	स्व राशि
राहु व.	वृष	22:20:00	रोहि. (4)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	22:20:00	ज्येष्ठा (2)	उच्च राशि
हर्षल	मेष	13:00:09	अश्वि. (4)	सम राशि
नेपच्यून	कुम्भ	25:35:22	पू.भा. (2)	सम राशि
प्लूटो	मकर	01:29:32	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : दशम्

मासिक कुण्डली

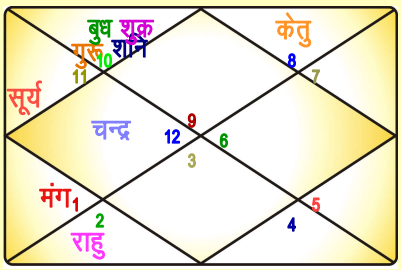

वर्ष कुण्डली

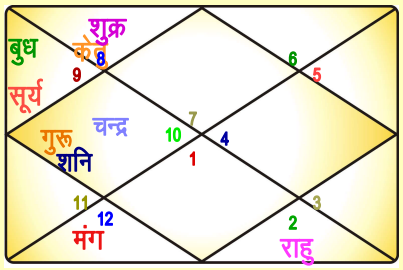

जन्म कुण्डली

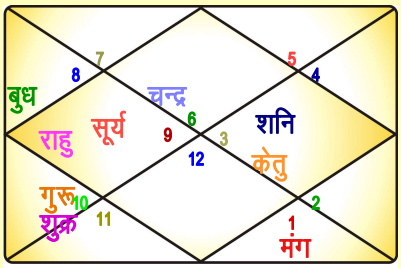

चन्द्र कुण्डली

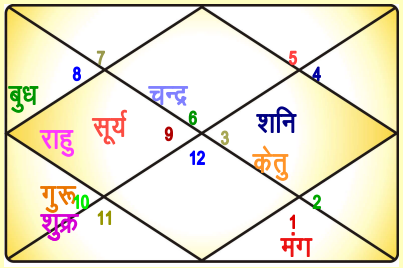

भाव चलित कुण्डली

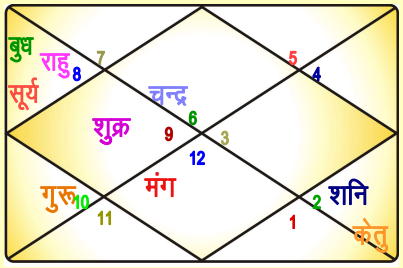

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	15.00	22.50	30.00	07.50	07.50	07.50	30.00
उच्च बल	12.47	13.97	10.22	06.20	01.58	12.84	10.81
हद्दा बल	07.50	11.25	03.75	03.75	03.75	03.75	03.75
द्रेक्कन बल	05.00	07.50	02.50	02.50	02.50	05.00	02.50
नवांश बल	02.50	03.75	05.00	05.00	01.25	03.75	01.25
योग	**10.62**	**14.74**	**12.87**	**6.24**	**4.14**	**8.21**	**12.08**

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	5	0	0	0	5
ओज–युग्म बल	0	0	5	5	0	5	5
दिवा–रात्रि बल	0	5	0	5	0	5	5
योग	**0**	**5**	**10**	**10**	**0**	**10**	**15**

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	6.24
जन्म लग्नेश	बुध	6.24
वर्ष लग्नेश	शुक्र	8.21
मास लग्नेश	गुरू	4.14
त्रिराशिपति	शनि	12.08
दिनरात्रिपति	गुरू	4.14

मासपति और मुन्था

मासेश	
मुन्था – राशि	कन्या (003:15:29)
मुन्था – भाव	10
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	2

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 17:03:2021	मास प्रवेश समय : 00:34:01

मासिक कुण्डली (4)

17:03:2021–16:04:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	वृश्चिक	29:29:11	ज्येष्ठा (4)	–
सूर्य	मीन	02:15:48	पू.भा. (4)	मित्र राशि
चन्द्रमा	मेष	09:53:35	अश्वि. (3)	सम राशि
मंगल	वृष	13:15:14	रोहि. (1)	सम राशि
बुध	कुम्भ	07:00:11	श.भि. (1)	सम राशि
गुरू	मकर	25:57:28	धनि. (1)	नीच राशि
शुक्र अ.	कुम्भ	29:52:23	पू.भा. (3)	मित्र राशि
शनि	मकर	15:54:46	श्रव. (2)	स्व राशि
राहु व.	वृष	20:44:55	रोहि. (4)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	20:44:55	ज्येष्ठा (2)	उच्च राशि
हर्षल	मेष	14:06:34	भर. (1)	सम राशि
नेपच्यून	कुम्भ	26:42:12	पू.भा. (3)	सम राशि
प्लूटो	मकर	02:14:15	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : एकादश

मासिक कुण्डली

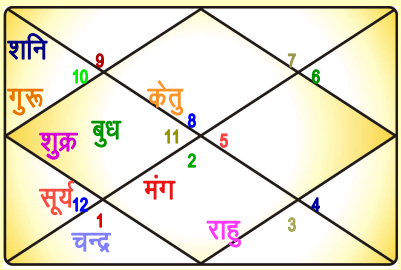

वर्ष कुण्डली

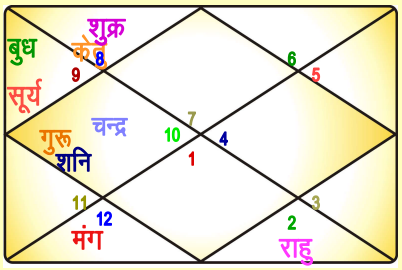

जन्म कुण्डली

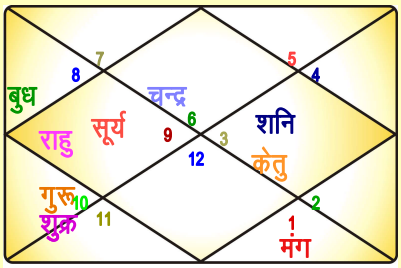

चन्द्र कुण्डली

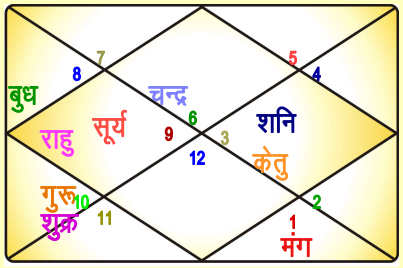

भाव चलित कुण्डली

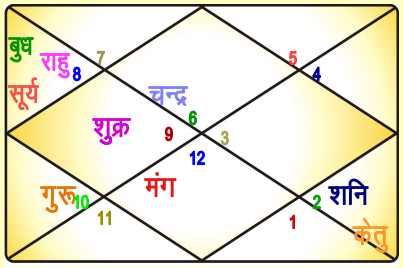

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	22.50	15.00	07.50	15.00	07.50	15.00	30.00
उच्च बल	15.81	17.43	08.31	04.22	02.33	16.99	10.45
हद्दा बल	07.50	11.25	03.75	15.00	03.75	07.50	07.50
द्रेक्कन बल	07.50	05.00	05.00	02.50	07.50	07.50	07.50
नवांश बल	02.50	03.75	05.00	02.50	03.75	01.25	02.50
योग	**13.95**	**13.11**	**7.39**	**9.81**	**6.21**	**12.06**	**14.49**

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	0	0	0	0	5
ओज–युग्म बल	5	0	0	0	0	0	5
दिवा–रात्रि बल	0	5	0	5	0	5	5
योग	**5**	**5**	**0**	**5**	**0**	**5**	**15**

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	9.81
जन्म लग्नेश	बुध	9.81
वर्ष लग्नेश	शुक्र	12.06
मास लग्नेश	मंगल	7.39
त्रिराशिपति	शुक्र	12.06
दिनरात्रिपति	मंगल	7.39

मासपति और मुन्था

मासेश	शुक्र
मुन्था – राशि	कन्या (005:45:29)
मुन्था – भाव	11
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	4

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 16:04:2021	मास प्रवेश समय : 10:00:01

मासिक कुण्डली

मासिक कुण्डली

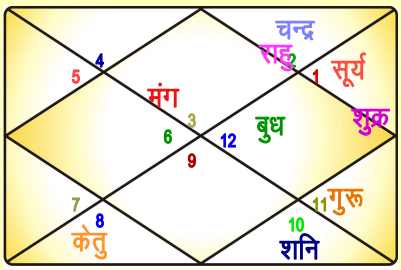

वर्ष कुण्डली

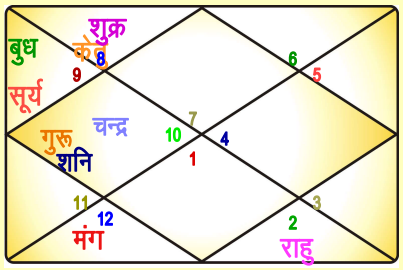

जन्म कुण्डली

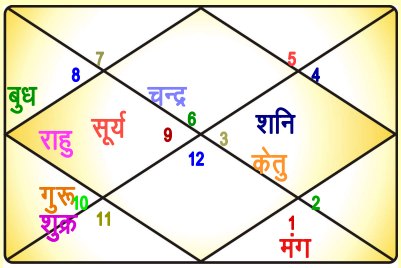

चन्द्र कुण्डली

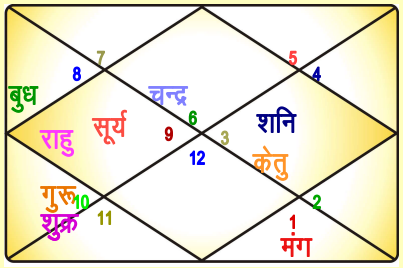

भाव चलित कुण्डली

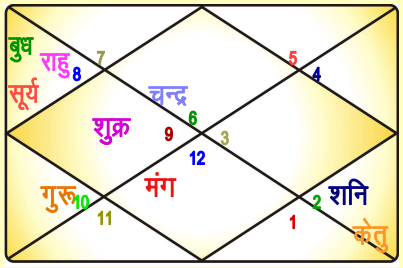

मासिक कुण्डली (5)

16:04:2021–17:05:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	मिथुन	12:50:08	अरि. (2)	–
सूर्य	मेष	02:15:47	अश्वि. (1)	उच्च राशि
चन्द्रमा	वृष	16:36:35	रोहि. (2)	उच्च राशि
मंगल	मिथुन	01:25:42	मृग. (3)	स्व नक्षत्र
बुध अ.	मीन	29:03:17	रेव. (4)	स्व नक्षत्र
गुरू	कुम्भ	01:52:32	धनि. (3)	सम राशि
शुक्र अ.	मेष	07:36:38	अश्वि. (3)	सम राशि
शनि	मकर	18:15:36	श्रव. (3)	स्व राशि
राहु व.	वृष	19:08:17	रोहि. (3)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	19:08:17	ज्येष्ठा (1)	उच्च राशि
हर्षल	मेष	15:41:35	भर. (1)	सम राशि
नेपच्यून	कुम्भ	27:47:30	पूभा. (3)	सम राशि
प्लूटो	मकर	02:37:33	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : चतुर्थ

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	22.50	15.00	07.50	15.00	15.00	22.50	30.00
उच्च बल	19.14	18.49	06.29	01.56	02.99	18.82	10.19
हद्दा बल	11.25	03.75	03.75	11.25	11.25	15.00	03.75
द्रेक्कन बल	07.50	10.00	07.50	02.50	07.50	07.50	05.00
नवांश बल	03.75	02.50	03.75	02.50	03.75	02.50	03.75
योग	16.04	12.43	7.2	8.2	10.12	16.58	13.17

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	5	5	0	0	0	0	5
ओज–युग्म बल	0	0	0	0	0	0	5
दिवा–रात्रि बल	5	0	5	0	5	0	0
योग	10	5	5	0	5	0	10

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	8.2
जन्म लग्नेश	बुध	8.2
वर्ष लग्नेश	शुक्र	16.58
मास लग्नेश	बुध	8.2
त्रिराशिपति	शनि	13.17
दिनरात्रिपति	मंगल	7.2

मासपति और मुन्था

मासेश	शुक्र
मुन्था – राशि	कन्या (008:15:29)
मुन्था – भाव	4
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	10

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 17:05:2021	मास प्रवेश समय : 07:45:01

मासिक कुण्डली

मासिक कुण्डली

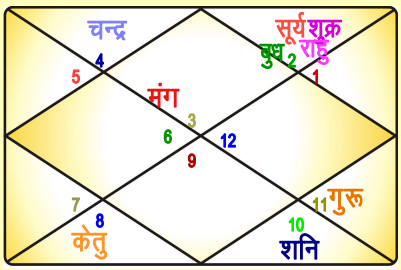

वर्ष कुण्डली

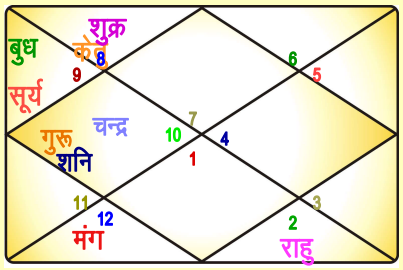

जन्म कुण्डली

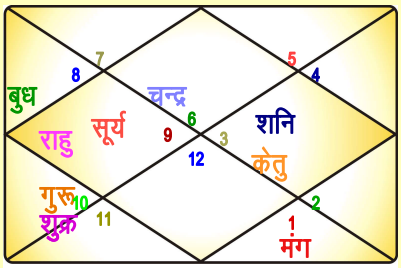

चन्द्र कुण्डली

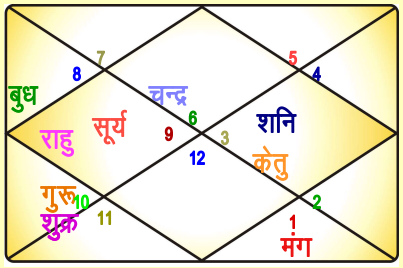

भाव चलित कुण्डली

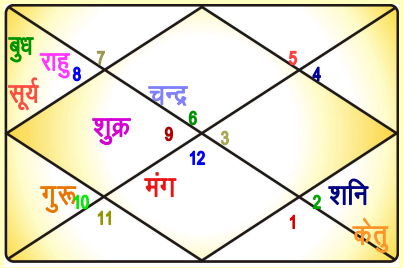

मासिक कुण्डली (6)

17:05:2021–17:06:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	मिथुन	09:52:35	अरि. (1)	–
सूर्य	वृष	02:15:49	कृति. (2)	स्व नक्षत्र
चन्द्रमा	कर्क	00:26:54	पुन. (4)	स्व राशि
मंगल	मिथुन	20:13:11	पुन. (1)	शत्रु राशि
बुध	वृष	24:09:44	मृग. (1)	मित्र राशि
गुरू	कुम्भ	06:11:15	धनि. (4)	सम राशि
शुक्र	वृष	15:41:27	रोहि. (2)	स्व राशि
शनि	मकर	19:20:02	श्रव. (3)	स्व राशि
राहु व.	वृष	17:30:01	रोहि. (3)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	17:30:01	ज्येष्ठा (1)	उच्च राशि
हर्षल	मेष	17:27:37	भर. (2)	सम राशि
नेपच्यून	कुम्भ	28:37:43	पूभा. (3)	सम राशि
प्लूटो व.	मकर	02:34:11	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : चतुर्थ

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	07.50	30.00	15.00	07.50	15.00	30.00	30.00
उच्च बल	17.53	13.62	04.20	07.68	03.47	14.59	10.07
हद्दा बल	03.75	07.50	15.00	11.25	03.75	03.75	11.25
द्रेक्कन बल	02.50	07.50	05.00	07.50	02.50	07.50	05.00
नवांश बल	03.75	05.00	05.00	01.25	03.75	05.00	03.75
योग	8.76	15.9	11.05	8.8	7.12	15.21	15.02

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	5	0	0	0	5	5
ओज–युग्म बल	5	5	0	0	0	0	5
दिवा–रात्रि बल	5	0	5	0	5	0	0
योग	10	10	5	0	5	5	10

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	8.8
जन्म लग्नेश	बुध	8.8
वर्ष लग्नेश	शुक्र	15.21
मास लग्नेश	बुध	8.8
त्रिराशिपति	शनि	15.02
दिनरात्रिपति	शुक्र	15.21

मासपति और मुन्था

मासेश	
मुन्था – राशि	कन्या (010:45:29)
मुन्था – भाव	4
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	12

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 17:06:2021	मास प्रवेश समय : 14:54:01

मासिक कुण्डली (7)

17:06:2021–19:07:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	तुला	12:31:52	स्वा. (2)	–
सूर्य	मिथुन	02:15:48	मृग. (3)	सम राशि
चन्द्रमा	सिहं	22:33:49	पू.फा. (3)	मित्र राशि
मंगल	कर्क	09:26:26	पुष्य (2)	नीच राशि
बुध व.अ.	वृष	23:03:43	रोहि. (4)	मित्र राशि
गुरू	कुम्भ	08:00:55	श.भि. (1)	सम राशि
शुक्र	मिथुन	23:56:47	पुन. (2)	मित्र राशि
शनि व.	मकर	18:52:15	श्रव. (3)	स्व राशि
राहु व.	वृष	15:50:30	रोहि. (2)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	15:50:30	अनु. (4)	उच्च राशि
हर्षल	मेष	19:04:34	भर. (2)	सम राशि
नेपच्यून	कुम्भ	29:01:42	पू.भा. (3)	सम राशि
प्लूटो व.	मकर	02:06:03	उ.षा. (2)	सम राशि

मासिक कुण्डली

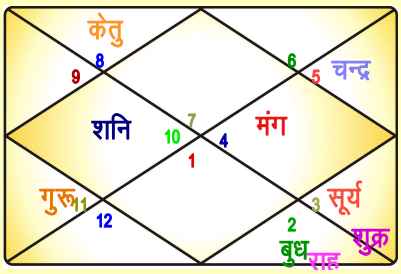

वर्ष कुण्डली

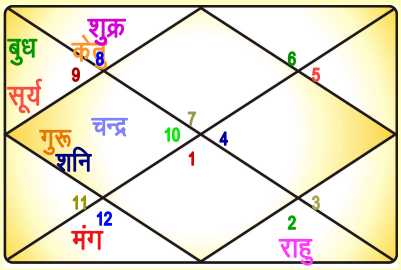

जन्म कुण्डली

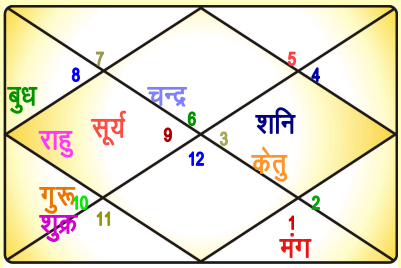

चन्द्र कुण्डली

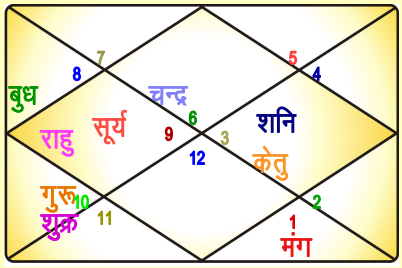

भाव चलित कुण्डली

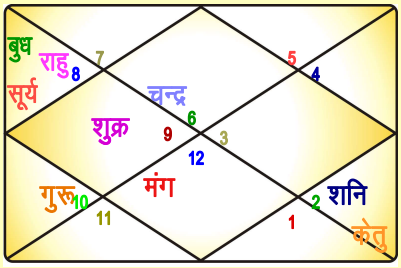

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : द्वादश

पंचवर्गीय बल							
बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	15.00	22.50	15.00	15.00	15.00	15.00	30.00
उच्च बल	14.19	07.83	02.06	07.56	03.67	10.34	10.13
हद्दा बल	07.50	03.75	07.50	11.25	03.75	07.50	07.50
द्रेक्कन बल	07.50	05.00	05.00	07.50	07.50	02.50	02.50
नवांश बल	01.25	03.75	03.75	01.25	05.00	05.00	03.75
योग	**11.36**	**10.71**	**8.33**	**10.64**	**8.73**	**10.08**	**13.47**

हर्ष बल							
बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	5	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	0	0	0	0	5
ओज–युग्म बल	0	0	5	5	5	5	0
दिवा–रात्रि बल	5	0	5	0	5	0	0
योग	**10**	**0**	**10**	**5**	**10**	**5**	**5**

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	10.64
जन्म लग्नेश	बुध	10.64
वर्ष लग्नेश	शुक्र	10.08
मास लग्नेश	शुक्र	10.08
त्रिराशिपति	बुध	10.64
दिनरात्रिपति	बुध	10.64

मासपति और मुन्था

मासेश	शुक्र
मुन्था – राशि	कन्या (013:15:29)
मुन्था – भाव	12
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	8

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 19:07:2021	मास प्रवेश समय : 01:50:01

मासिक कुण्डली (8)

19:07:2021–19:08:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	वृष	14:08:56	रोहि. (2)	–
सूर्य	कर्क	02:15:48	पुन. (4)	मित्र राशि
चन्द्रमा	तुला	21:00:38	विशा. (1)	सम राशि
मंगल	कर्क	28:57:25	अश्ले. (4)	नीच राशि
बुध	मिथुन	17:19:52	अरि. (4)	स्व राशि
गुरू व.	कुम्भ	06:47:06	शभि. (1)	सम राशि
शुक्र	सिहं	02:01:33	मघा (1)	शत्रु राशि
शनि व.	मकर	17:05:00	श्रव. (3)	स्व राशि
राहु व.	वृष	14:10:30	रोहि. (2)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	14:10:30	अनु. (4)	उच्च राशि
हर्षल	मेष	20:12:57	भर. (3)	सम राशि
नेपच्यून व.	कुम्भ	28:54:16	पूभा. (3)	सम राशि
प्लूटो व.	मकर	01:23:05	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : पंचम्

मासिक कुण्डली

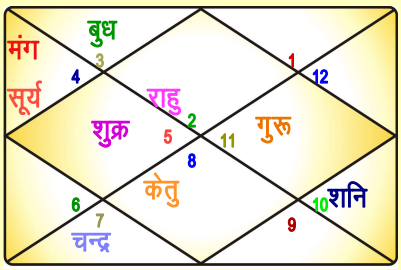

वर्ष कुण्डली

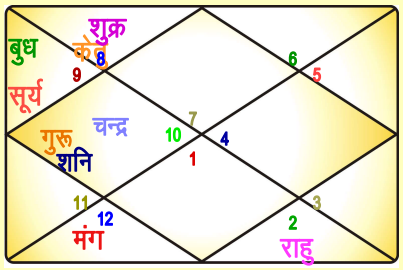

जन्म कुण्डली

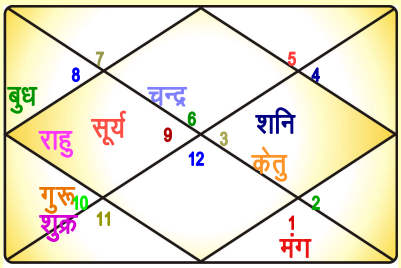

चन्द्र कुण्डली

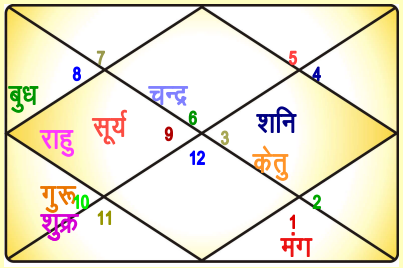

भाव चलित कुण्डली

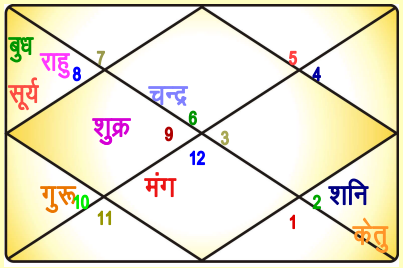

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	07.50	22.50	07.50	30.00	15.00	15.00	30.00
उच्च बल	10.86	01.33	00.11	10.26	03.53	06.11	10.32
हद्दा बल	03.75	11.25	03.75	07.50	03.75	03.75	07.50
द्रेक्कन बल	05.00	07.50	02.50	05.00	02.50	05.00	02.50
नवांश बल	01.25	01.25	02.50	03.75	05.00	02.50	02.50
योग	**7.09**	**10.96**	**4.09**	**14.13**	**7.45**	**8.09**	**13.21**

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	0	5	0	0	5
ओज–युग्म बल	0	0	0	5	5	0	5
दिवा–रात्रि बल	5	0	5	0	5	0	0
योग	**5**	**0**	**5**	**10**	**10**	**0**	**10**

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	14.13
जन्म लग्नेश	बुध	14.13
वर्ष लग्नेश	शुक्र	8.09
मास लग्नेश	शुक्र	8.09
त्रिराशिपति	शुक्र	8.09
दिनरात्रिपति	चन्द्रमा	10.96

मासपति और मुन्था

मासेश	शुक्र
मुन्था – राशि	कन्या (015:45:29)
मुन्था – भाव	5
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	2

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 19:08:2021	मास प्रवेश समय : 09:47:01

मासिक कुण्डली

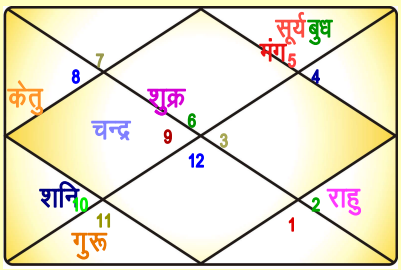

वर्ष कुण्डली

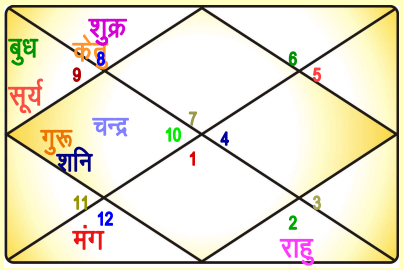

जन्म कुण्डली

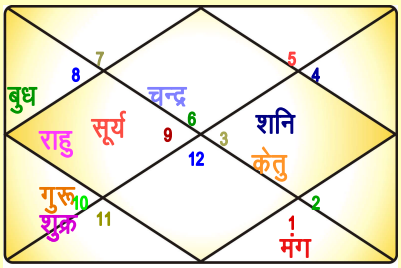

चन्द्र कुण्डली

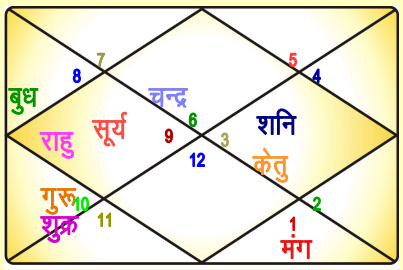

भाव चलित कुण्डली

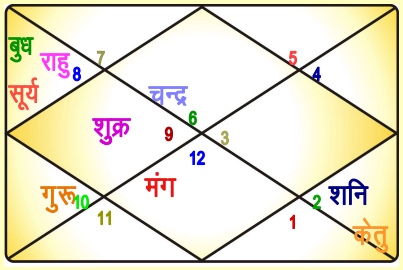

मासिक कुण्डली (9)

19:08:2021–19:09:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	कन्या	29:20:02	चित्रा (2)	–
सूर्य	सिहं	02:15:48	मघा (1)	स्व राशि
चन्द्रमा	धनु	19:02:47	पू.षा. (2)	सम राशि
मंगल अ.	सिहं	18:40:07	पू.फा. (2)	मित्र राशि
बुध	सिहं	18:42:16	पू.फा. (2)	मित्र राशि
गुरू व.	कुम्भ	03:10:59	धनि. (3)	सम राशि
शुक्र	कन्या	09:22:48	उ.फा. (4)	नीच राशि
शनि व.	मकर	14:48:01	श्रव. (2)	स्व राशि
राहु व.	वृष	12:30:53	रोहि. (1)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	12:30:53	अनु. (3)	उच्च राशि
हर्षल	मेष	20:38:15	भर. (3)	सम राशि
नेपच्यून व.	कुम्भ	28:19:18	पू.भा. (3)	सम राशि
प्लूटो व.	मकर	00:40:42	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : लग्न

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	30.00	22.50	07.50	07.50	15.00	15.00	30.00
उच्च बल	07.53	05.12	02.30	17.08	03.13	01.96	10.58
हद्दा बल	03.75	11.25	03.75	15.00	07.50	15.00	11.25
द्रेक्कन बल	05.00	10.00	02.50	02.50	05.00	05.00	05.00
नवांश बल	01.25	03.75	01.25	05.00	02.50	02.50	03.75
योग	**11.88**	**13.15**	**4.32**	**11.77**	**8.28**	**9.86**	**15.14**

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	5	0	0	0	0	0	5
ओज–युग्म बल	5	0	5	0	5	5	0
दिवा–रात्रि बल	5	0	5	0	5	0	0
योग	**15**	**0**	**10**	**0**	**10**	**5**	**5**

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	11.77
जन्म लग्नेश	बुध	11.77
वर्ष लग्नेश	शुक्र	9.86
मास लग्नेश	बुध	11.77
त्रिराशिपति	चन्द्रमा	13.15
दिनरात्रिपति	सूर्य	11.88

मासपति और मुन्था

मासेश	चन्द्रमा
मुन्था – राशि	कन्या (018:15:29)
मुन्था – भाव	1
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	12

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 19:09:2021	मास प्रवेश समय : 08:54:01

मासिक कुण्डली

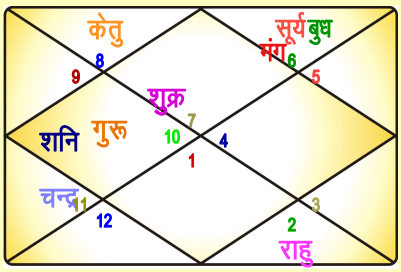

वर्ष कुण्डली

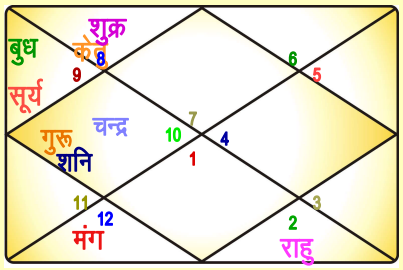

जन्म कुण्डली

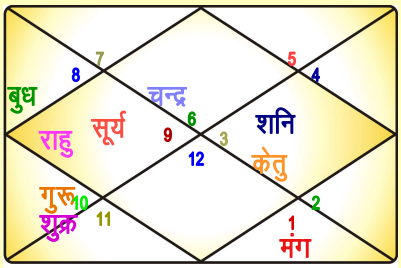

चन्द्र कुण्डली

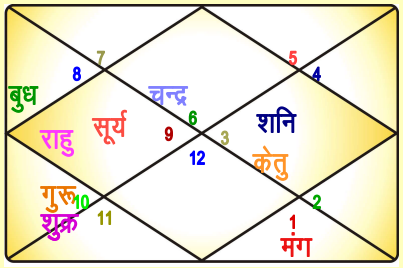

भाव चलित कुण्डली

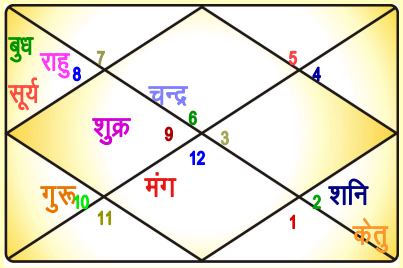

मासिक कुण्डली (10)

19:09:2021–19:10:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	तुला	14:38:34	स्वा. (3)	–
सूर्य	कन्या	02:15:47	उ.फा. (2)	स्व नक्षत्र
चन्द्रमा	कुम्भ	09:45:24	श.भि. (1)	सम राशि
मंगल अ.	कन्या	08:31:03	उ.फा. (4)	शत्रु राशि
बुध	कन्या	28:13:35	चित्रा (2)	उच्च राशि
गुरू व.	मकर	29:32:32	धनि. (2)	नीच राशि
शुक्र	तुला	15:19:57	स्वा. (3)	स्व राशि
शनि व.	मकर	13:07:06	श्रव. (1)	स्व राशि
राहु व.	वृष	10:52:26	रोहि. (1)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	10:52:26	अनु. (3)	उच्च राशि
हर्षल व.	मेष	20:16:22	भर. (3)	सम राशि
नेपच्यून व.	कुम्भ	27:29:55	पू.भा. (3)	सम राशि
प्लूटो व.	मकर	00:13:55	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : द्वादश

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	07.50	15.00	07.50	30.00	07.50	30.00	30.00
उच्च बल	04.19	10.75	04.50	18.53	02.73	02.04	10.76
हद्दा बल	03.75	07.50	07.50	11.25	11.25	03.75	03.75
द्रेक्कन बल	10.00	07.50	02.50	10.00	07.50	02.50	07.50
नवांश बल	03.75	02.50	03.75	05.00	03.75	01.25	03.75
योग	7.3	10.81	6.44	18.7	8.18	9.88	13.94

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	0	5	0	5	5
ओज–युग्म बल	5	0	5	0	5	5	0
दिवा–रात्रि बल	5	0	5	0	5	0	0
योग	10	0	10	5	10	10	5

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	18.7
जन्म लग्नेश	बुध	18.7
वर्ष लग्नेश	शुक्र	9.88
मास लग्नेश	शुक्र	9.88
त्रिराशिपति	बुध	18.7
दिनरात्रिपति	बुध	18.7

मासपति और मुन्था

मासेश	शुक्र
मुन्था – राशि	कन्या (020:45:29)
मुन्था – भाव	12
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	12

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 19:10:2021	मास प्रवेश समय : 19:56:01

मासिक कुण्डली

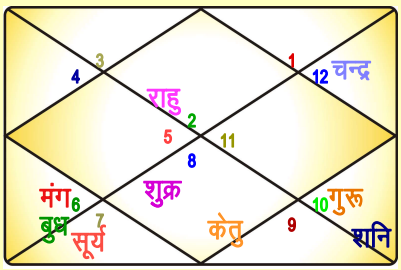

वर्ष कुण्डली

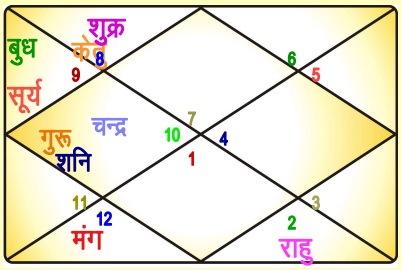

जन्म कुण्डली

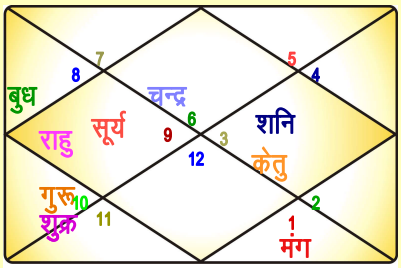

चन्द्र कुण्डली

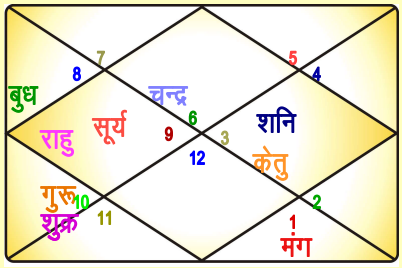

भाव चलित कुण्डली

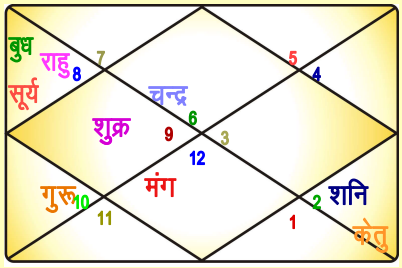

मासिक कुण्डली (11)

19:10:2021–18:11:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	वृष	17:06:51	रोहि. (3)	–
सूर्य	तुला	02:15:48	चित्रा (3)	नीच राशि
चन्द्रमा	मीन	20:40:56	रेव. (2)	सम राशि
मंगल अ.	कन्या	28:30:03	चित्रा (2)	स्व नक्षत्र
बुध	कन्या	16:03:16	हस्ता (2)	उच्च राशि
गुरू	मकर	28:10:32	धनि. (2)	नीच राशि
शुक्र	वृश्चिक	18:53:25	ज्येष्ठा (1)	सम राशि
शनि	मकर	12:46:56	श्रव. (1)	स्व राशि
राहु व.	वृष	09:15:35	कृति. (4)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	09:15:35	अनु. (2)	उच्च राशि
हर्षल व.	मेष	19:17:27	भर. (2)	सम राशि
नेपच्यून व.	कुम्भ	26:44:00	पूभा. (3)	सम राशि
प्लूटो	मकर	00:11:53	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : पंचम्

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	15.00	22.50	07.50	30.00	07.50	22.50	30.00
उच्च बल	00.86	15.30	06.72	19.88	02.58	05.77	10.80
हद्दा बल	03.75	03.75	11.25	11.25	11.25	11.25	03.75
द्रेक्कन बल	05.00	02.50	02.50	07.50	02.50	05.00	07.50
नवांश बल	02.50	03.75	01.25	03.75	03.75	03.75	03.75
योग	6.78	11.95	7.31	18.1	6.89	12.07	13.95

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	0	5	0	0	5
ओज–युग्म बल	5	0	5	0	0	5	5
दिवा–रात्रि बल	0	5	0	5	0	5	5
योग	5	5	5	10	0	10	15

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	18.1
जन्म लग्नेश	बुध	18.1
वर्ष लग्नेश	शुक्र	12.07
मास लग्नेश	शुक्र	12.07
त्रिराशिपति	चन्द्रमा	11.95
दिनरात्रिपति	गुरू	6.89

मासपति और मुन्था

मासेश	बुध
मुन्था – राशि	कन्या (023:15:29)
मुन्था – भाव	5
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	5

वर्षफल 2020 – 2021 के लिए	भुक्त आयु – 47वर्ष , वर्तमान आयु – 48 वर्ष
वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020	वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01
मास प्रवेश दिन : 18:11:2021	मास प्रवेश समय : 18:57:01

मासिक कुण्डली

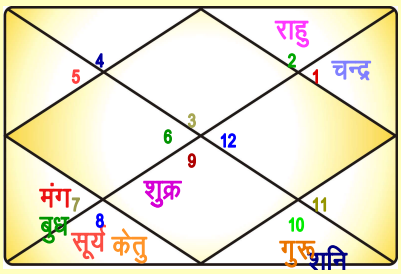

वर्ष कुण्डली

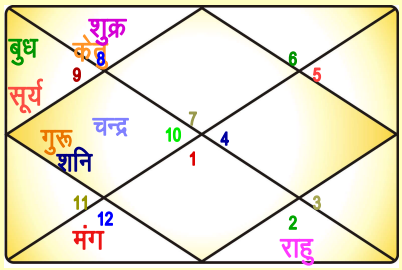

जन्म कुण्डली

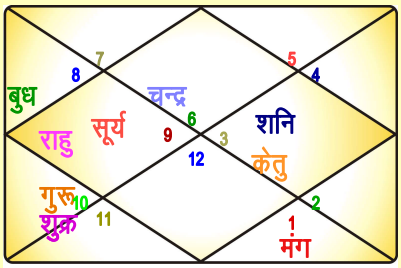

चन्द्र कुण्डली

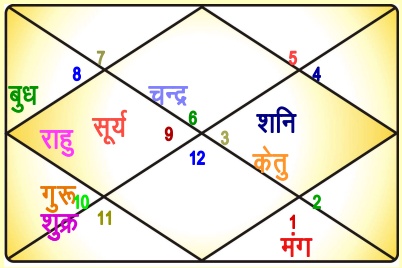

भाव चलित कुण्डली

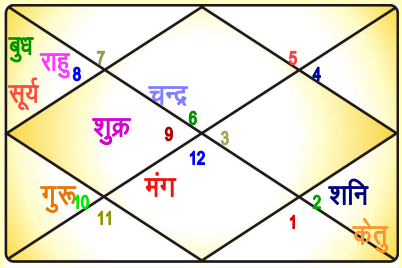

मासिक कुण्डली (12)

18:11:2021–18:12:2021

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	मिथुन	01:25:26	मृग. (3)	–
सूर्य	वृश्चिक	02:15:48	विशा. (4)	मित्र राशि
चन्द्रमा	मेष	23:25:25	भर. (4)	सम राशि
मंगल अ.	तुला	18:40:35	स्वा. (4)	सम राशि
बुध अ.	तुला	26:08:46	विशा. (2)	मित्र राशि
गुरू	मकर	29:46:30	धनि. (2)	नीच राशि
शुक्र	धनु	17:29:04	पू.षा. (2)	स्व नक्षत्र
शनि	मकर	13:56:17	श्रव. (2)	स्व राशि
राहु व.	वृष	07:40:20	कृति. (4)	उच्च राशि
केतु व.	वृश्चिक	07:40:20	अनु. (2)	उच्च राशि
हर्षल व.	मेष	18:04:22	भर. (2)	सम राशि
नेपच्यून व.	कुम्भ	26:17:31	पू.भा. (2)	सम राशि
प्लूटो	मकर	00:35:55	उ.षा. (2)	सम राशि

मुन्था राशि : कन्या

मुन्था भाव : चतुर्थ

पंचवर्गीय बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्षेत्र बल	15.00	07.50	22.50	22.50	07.50	15.00	30.00
उच्च बल	02.47	18.94	08.96	15.43	02.75	08.94	10.67
हद्दा बल	07.50	03.75	03.75	11.25	03.75	11.25	03.75
द्रेक्कन बल	05.00	07.50	02.50	02.50	07.50	07.50	02.50
नवांश बल	02.50	01.25	01.25	03.75	01.25	03.75	02.50
योग	**8.12**	**9.73**	**9.74**	**13.86**	**5.69**	**11.61**	**12.36**

हर्ष बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्र	मंग.	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
स्थान बल	0	0	0	0	0	0	0
क्षेत्र बल	0	0	0	0	0	0	5
ओज–युग्म बल	5	0	5	0	0	5	5
दिवा–रात्रि बल	0	5	0	5	0	5	5
योग	**5**	**5**	**5**	**5**	**0**	**10**	**15**

मासाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	बल
मुन्थेश	बुध	13.86
जन्म लग्नेश	बुध	13.86
वर्ष लग्नेश	शुक्र	11.61
मास लग्नेश	बुध	13.86
त्रिराशिपति	बुध	13.86
दिनरात्रिपति	मंगल	9.74

मासपति और मुन्था

मासेश	बुध
मुन्था – राशि	कन्या (025:45:29)
मुन्था – भाव	4
मुन्थेश	बुध
मुन्थेश – भाव	5

मासिक कुण्डली (1)

सुख–सुविधा, हर्ष और उल्लास

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 18:12:2020 मास प्रवेश समय : 02:55:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश शनि मध्यम बली है। अतः यह माह आपके लिए सामान्य फलदायक रहेगा। इस माह आपको कृषि से सम्बन्धित कार्यों या अन्न के व्यापार आदि से सामान्य मात्रा मेंलाभ प्राप्त होगा। भूमि–भवन के क्रय या निर्माण में कुछ बाधाएं उत्पन्न हो सकती है, फिर भी आपको भूमि–भवन से संबन्धित लाभ प्राप्त हो सकते हैं। राजकाज में आपकी प्रतिष्ठा सामान्य रह सकती है एवं कार्यों में निर्णय आपके पक्ष में होने की संभावना कम हो सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी अन्य जाति या अन्यप्रदेश के द्वारा आपकी उन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं तथा वह आपकी पदोन्नति में सहयोग कर सकता है, लेकिन आपको उससे अन्य किसी प्रकार के सुख व सहयोग प्राप्त होने की संभावना कम ही है।आपमें नए वृक्षारोपण आदि जैसों कार्यों को करने की इच्छा उत्पन्न हो सकती है। इस माह आपको वाहन का सुख भी प्राप्त हो सकता है।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश चौथे भाव में स्थित है। इस माह राज्यपक्ष से आपके अच्छे सम्बंध रहेंगे। आपको जमीन–जायदाद का सुख प्राप्त होने के योग हैं। चौपाये पशु का सुख भी प्राप्त हो सकता है एवं कृषि कार्यों से लाभ की प्राप्ति होगी। आपके अन्य कार्य भी अनुकूल रूप से पूर्ण हो सकते हैं। आपको माता का सुख प्राप्त होगा एवं उनसे भरपूर सहयोग भी मिल सकता है। आप अपने सगे–संबंधियों के साथ सुख–शांतिमय व मनोरंजनपूर्ण समय व्यतीत करेंगे।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा ग्यारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायकरहेगा। आपका मन धार्मिक क्रियाओं में लीन रहेगा एवं अनेक प्रकार के पूजा–पाठ आदि भी करेंगे। आपको संतान से संबंधी भी सुख प्राप्त होगा, एवं संतान की प्राप्ति होने की भी संभावना है। इस माह आपको उत्तम धन लाभ होने के योग हैं। आपमें बौद्धिक विकास होगा एवं आप अपनी समस्याओं का समाधान सुगमतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। आपका अपने प्रियजनों के साथ मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी। आप मानसिक रूप से संतुष्ट व प्रसन्नचित्त रहेंगे। आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य तीसरे भाव में स्थित है। अतः इस माह आप अपने कार्यों में सफलताप्राप्त करेंगे। अत्यधिक धन लाभ होगा एवं आपकी आय में वृद्धि होगी। रोगादि सामान्यतः नहीं होंगेएवं शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे। राज्य पक्ष एवं कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्य आपके अनुकूल होंगे एवं आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपके शत्रु व विरोधी परास्त होंगे।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपको अपने जीवनसाथी व संतान से भरपूर सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं उनके साथ आनन्दपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। आपके स्वजनों के मन में भी आपके लिए सहयोग व प्रेम की भावना रहेगी एवं उनसे प्रसन्नता मिलेगी। यदि आप पशुपालन करते हैं तो आपको चौपाए पशुओं का सुख प्राप्त होगा तथा आपको वाहन का सुख भी प्राप्त हो सकता है। धनोपार्जन की स्थिति भी उत्तम रहेगी।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल छठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्य आपके हित में होंगे एवं आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। आपको धन लाभ भी होगा। अपने स्वजनों से आपके संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी एवं आपको उनसे सुख व सहयोग प्राप्त होगा। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं उन्हें पराजय मिलेगी।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए सामान्यतः मिश्रितफलदायक साबित होगा। आपका बौद्धिक विकास होगा एवं आप अपने कार्यों को उचित ढंग से पूर्ण करने में सक्षम होंगे। आपका अपने जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे एवं सुखमय व शांतिपूर्ण दाम्पत्य जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको मित्रों से सुख व सहयोग प्राप्त होगा, किन्तु आपके शत्रु भी उत्पन्न हो सकते हैं। अतः यह माह आपके लिए सुख व दुख का मिश्रण रहेगा।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धनोपार्जन की स्थिति अच्छी रहेगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। आपका बौद्धिक विकास होगा एवं आप सभी कार्यों को विवेकपूर्ण ढंग से उचित निर्णय लेकर सफल बनाने में सक्षम होंगे। व्यापार से भी लाभ प्राप्त होगा। आपको दाम्पत्य सुख एवं संतान सुख की प्राप्ति होगी एवं अपने परिवारजनों के साथ सुखमय व शांतिपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। सगे–सम्बन्धियों के साथ भी आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे एवं उनसेसहयोग की प्राप्ति होगी।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपमें उत्तम बुद्धि का विकास होगा एवं आप अपने कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं उनसे आपका सम्बन्ध प्रेमपूर्ण व मधुर होगा, जिससे आपको सुखददाम्पत्य जीवन का आनन्द प्राप्त होगा। इस माह आपको उत्तम धन लाभ होगा। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं उनकी पराजय होगी। आपके स्वजनों की वृद्धि होगी।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। राज्य पक्ष से सम्बन्धित कार्यों में जुर्माना अथवा सरकारी बकाया के रूप में धन खर्च करना पड़

सकता है। आपको अपने व्यावसायिक क्षेत्र से भी लाभ प्राप्त होने की सम्भावना कम ही है। आपके ननिहालपक्ष के लोगों को किसी प्रकार की पीड़ा या परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आपके मित्रों वउनके परिजनों को भी किसी प्रकार की परेशानी हो सकती है।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कष्टकारक हो सकता है। इस महीने आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ व रोग से पीड़ितरह सकते हैं। आपके जीवनसाथी को भी किसी प्रकार की शारीरिक अथवा मानसिक पीड़ा हो सकतीहै। आप यात्राएं कर सकते हैं, जिनसे आपको कोई लाभ होने की संभावना नहीं है, अपितु कष्ट हो सकता है। आपका अपने बन्धु–बान्धवों से विवाद व मतभेद हो सकता है।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। इस माह आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। विभिन्न प्रकार की परेशानियों के कारण आप मानसिक रूप से चिन्तित भी रह सकते हैं। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं आपको विशेषतः कमर, मुख व नेत्र से सम्बन्धित विकारों से पीड़ा हो सकती है।

मासिक कुण्डली (2)

विजय, सफलता

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 16:01:2021 मास प्रवेश समय : 13:33:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश शनि मध्यम बली है। अतः यह माह आपके लिए सामान्य फलदायक रहेगा। इस माह आपको कृषि से सम्बन्धित कार्यों या अन्न के व्यापार आदि से सामान्य मात्रा मेंलाभ प्राप्त होगा। भूमि–भवन के क्रय या निर्माण में कुछ बाधाएं उत्पन्न हो सकती है, फिर भी आपको भूमि–भवन से संबन्धित लाभ प्राप्त हो सकते हैं। राजकाज में आपकी प्रतिष्ठा सामान्य रह सकती है एवं कार्यों में निर्णय आपके पक्ष में होने की संभावना कम हो सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी अन्य जाति या अन्यप्रदेश के द्वारा आपकी उन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं तथा वह आपकी पदोन्नति में सहयोग कर सकता है, लेकिन आपको उससे अन्य किसी प्रकार के सुख व सहयोग प्राप्त होने की संभावना कम ही है।आपमें नए वृक्षारोपण आदि जैसों कार्यों को करने की इच्छा उत्पन्न हो सकती है। इस माह आपको वाहन का सुख भी प्राप्त हो सकता है।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश नौवें भाव में स्थित है। इस माह आपके साहस व पराक्रम में वृद्धि होगी तथा आप अपने कठोर परिश्रम के द्वारा कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। आपकी रूचि धार्मिक क्रियाकलापों में अधिक रहेगी एवं आप देवी–देवताओं के पूजा–पाठ में एवं ब्राह्मणों व पुरोहितों के सेवा भावमे लीन रहेंगे। इस माह आप किसी तीर्थयात्रा पर भी जा सकते हैं। आप अपने घर–परिवार व बंधु–बांधवों के साथ सुख–शांतिपूर्ण वातावरण में सुखद समय व्यतीत करेंगे एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह आपको धनोपार्जन के साधन प्राप्त होंगे एवं धन लाभ होगा। आपके अभीष्ट की सिद्धि होगी। आपमें उत्तम बुद्धि का विकास होगा एवं आप अपनी समस्याओं का उचित समाधान सुगमतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा एवं ख्याति में वृद्धि होगी एवं लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान की भावना रहेगी। आपमें धार्मिक कार्यों, पूजा–पाठ, देवी–देवताओं की भक्ति व ब्राह्मणों की सेवा आदि के प्रति रूचि जागृत होगी। आपको सतांन से संबंधी सुख व सहयोग प्राप्त होगा एवं कोई अशुभ या चिन्ताजनक बात नहीं होगी।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य नौवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आपमें धार्मिक क्रियाओं, पूजा–पाठ आदि के प्रति अधिक झुकाव उत्पन्न होगा एवं आप इनमें भाग लेंगे। आपका मन व्याकुल व चिन्तित रह सकता है। आपका अपने जीवनसाथी एवं संतान के साथ वाद–विवाद व झगड़े हो सकते हैं, अतः आपको इनसे बचने का भरपूर प्रयास करना चाहिए।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा दसवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा।इस माह में आपको उत्तम धन लाभ होने के योग हैं। आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य एवं निरोग रहेंगे। आपको उत्तम वस्त्राभूषणों की प्राप्ति होगी। आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी एवं लोग आपके साथसम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह महीना आपके लिए अनुकूल नहींहो सकता है। इस माह आपको राज्यपक्ष अथवा कार्यक्षेत्र में किसी प्रतिकूल स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो सकते हैं। आपके जीवनसाथी एवं संतान को भी किसी प्रकार की कोई पीड़ा या परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अतः आपको इस माह इन सभी परिस्थितियों के प्रति सचेत रहना चाहिए।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए सामान्य फलदायकरहेगा। इस माह धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी आस्था अधिक होगी एवं आप धार्मिक अनुष्ठानों आदि में भाग लेंगे। धनोपार्जन की स्थिति उत्तम होने से आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। किन्तु इस माह आपके जीवनसाथी को कुछ कष्ट हो सकता है एवं आप में भी कुछ दीनता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। आपका लोगों से कुछ मतभेद या टकराव हो सकता है।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह सामान्यतः आपके लिए अनुकूलरहेगा। इस माह धनागम की स्थिति अच्छी रहेगी एवं आप अनेक प्रकार के पदार्थों का उपभोग करेंगे। धर्म के प्रति आपकी आस्था अधिक होने से आप धार्मिक कार्यों व अनुष्ठानों आदि में सम्मिलित होंगे। राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित कोई परेशानी नहीं होगी एवं सबकुछ शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होगा।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आप शारीरिक रूप से कष्ट पा सकते हैं। आपके जीवनसाथी, संतान व परिवारजनों को भी किसी प्रकार की परेशानी हो सकती है। आपको अपने व्यावसायिक क्षेत्र से अधिक लाभ प्राप्त होने की सम्भावना नहीं है एवं आय में कमी आ सकती है। आपके मन में धर्म एवं धार्मिक कार्यों के प्रति रूचि कम हो सकती है। इस माह अनेक प्रतिकूल बाते भी घटित हो सकती हैं।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आपको आर्थिक हानि हो सकती है। आपके परिवारजनों व सगे–सम्बन्धियों को

किसी प्रकार की परेशानी या कष्टपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। कोई प्रतिकूल घटना भी घटित हो सकती है। आपमें कुप्रवृत्तियां उत्पन्न होने के कारण आप अनैतिक कार्यों में संलग्न हो सकते हैं।अतः आपको ऐसी स्थिति से बचने का प्रयत्न करना चाहिए।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु लग्न में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। इस महीने आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप वायु सम्बन्धी विकारों से पीड़ित हो सकते हैं। आपके मित्रों को भी किसी प्रकार की कोई परेशानी हो सकती है। लोगों के साथ आपका विवाद हो सकता है एवं स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। आपके परिवारजनों को भी कोई परेशानी अथवा कष्ट हो सकता है।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु सातवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आपको अपने घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं विशेषकर कमर व कमर में कष्ट हो सकता है। साथ ही आप वायुजनित रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपके जीवनसाथी को भी शारीरिक अथवा मानसिक रूप से किसी प्रकार की कोई पीड़ा हो सकती है।

मासिक कुण्डली (3)

मृत्युतुल्य कष्ट, खतरा

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 15:02:2021 मास प्रवेश समय : 02:56:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश चौथे भाव में स्थित है। इस माह राज्यपक्ष से आपके अच्छे सम्बंध रहेंगे। आपको जमीन–जायदाद का सुख प्राप्त होने के योग हैं। चौपाये पशु का सुख भी प्राप्त हो सकता है एवं कृषि कार्यों से लाभ की प्राप्ति होगी। आपके अन्य कार्य भी अनुकूल रूप से पूर्ण हो सकते हैं। आपको माता का सुख प्राप्त होगा एवं उनसे भरपूर सहयोग भी मिल सकता है। आप अपने सगे–संबंधियों के साथ सुख–शांतिमय व मनोरंजनपूर्ण समय व्यतीत करेंगे।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा दसवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धर्म के प्रति आपमें आस्था की वृद्धि होगी एवं धार्मिक क्रियाओं व पूजा–पाठ आदि में भाग लेंगे। आपके सौन्दर्य में वृद्धि होगी एवं दाम्पत्य सुख की प्राप्ति होगी। आपका अपने स्वजनों के साथ संबंध अच्छेरहेंगे एवं उनसे सुख–सहयोग की प्राप्ति होगी। राजपक्ष अथवा कार्यक्षेत्र में कार्य आपके अनुकूल होंगे। आपको उत्तम लाभ प्राप्त होगा। आपमें परोपकार की भावना बनी रहेगी। सामाजिक मान–सम्मान में वृद्धि होगी एवं आपकी ख्याति फैलेगी। आप प्रसन्नचित्त रहेंगे।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य तीसरे भाव में स्थित है। अतः इस माह आप अपने कार्यों में सफलताप्राप्त करेंगे। अत्यधिक धन लाभ होगा एवं आपकी आय में वृद्धि होगी। रोगादि सामान्यतः नहीं होंगेएवं शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे। राज्य पक्ष एवं कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्य आपके अनुकूल होंगे एवं आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपके शत्रु व विरोधी परास्त होंगे।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपको अपने जीवनसाथी व संतान से भरपूर सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं उनके साथ आनन्दपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। आपके स्वजनों के मन में भी आपके लिए सहयोग व प्रेम की भावना रहेगी एवं उनसे प्रसन्नता मिलेगी। यदि आप पशुपालन करते हैं तो आपको चौपाए पशुओं का सुख प्राप्त होगा तथा आपको वाहन का सुख भी प्राप्त हो सकता है। धनोपार्जन की स्थिति भी उत्तम रहेगी।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके जीवनसाथी और संतान के लिए अनुकूल नहीं है। उनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। आप भी मानसिक रूप से तनावग्रस्त रह सकते हैं। इस माह लाभ में कमी हो सकती है एवं धन हानि भी होने के योग बन सकते हैं। अतः आपको संयमपूर्वक इनके निवारण का प्रयत्न करना चाहिए।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह धन लाभ की स्थिति उत्तम रहेगी एवं आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य एवं सामान्यतः निरोग रहेंगे। आपका अपने प्रियजनों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे एवं आपको उनसे पूर्ण सहयोग व सुख प्राप्त होगा।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ रहेगा। इस माह लाभ की स्थिति उत्तम रहेगी, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आप भौतिक भोग विलास की वस्तुओं का उपभोग कर सकते हैं। आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं सामान्यतः रोगादि से मुक्त रहेंगे। आपका अपने बंधु–बान्धवों से सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहेगा एवं उनसे सुख व सयहोग की प्राप्ति होगी।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपमें उत्तम बुद्धि का विकास होगा एवं आप अपने कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं उनसे आपका सम्बन्ध प्रेमपूर्ण व मधुर होगा, जिससे आपको सुखददाम्पत्य जीवन का आनन्द प्राप्त होगा। इस माह आपको उत्तम धन लाभ होगा। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं उनकी पराजय होगी। आपके स्वजनों की वृद्धि होगी।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आपको आर्थिक हानि हो सकती है। शारीरिक रूप से आप अस्वस्थ हो सकते हैं एवंमुख व नेत्र से सम्बन्धित रोगों से पीड़ित रह सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपके जीवनसाथी और संतान को भी कोई कष्ट हो सकता है। आपमें भ्रम व संशय की भावना उत्पन्न होने के कारण आप अपनी कुछ समस्याओं का समाधान करने या निर्णय लेने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु छठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धनोपार्जन के स्रोत प्राप्त होंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। आपको अपने पारिवारिक जनों से भरपूर सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आप उनके साथ सुखमय व शांतिपूर्ण समयव्यतीत करेंगे। आपके शत्रु आपका अहित करने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं पराजित होंगे।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कष्टकारक हो सकता है। इस महीने आपको राज्यपक्ष या कार्य क्षेत्र से सम्बन्धित कार्यों में कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ व रोग से पीड़ित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपके जीवनसाथी को भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। किन्तु आपके शत्रु आपका अहित करने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं उन्हे पराजय मिलेगी।

मासिक कुण्डली (4)

मृत्युतुल्य कष्ट, खतरा

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 17:03:2021 मास प्रवेश समय : 00:34:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश शुक्र मध्यम बली है। अतः यह माह आपको मिश्रित फल प्रदान करेगा जिसमें अशुभ फलों की अधिकता हो सकती है। इस माह राज्य पक्ष व कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति सामान्य रहेगी। आपमें नीतिगत बुद्धि का विकास होने से आप गलत कार्यों के प्रति आकर्षित नहीं होंगे, किन्तु कभी–कभी कुछ असामाजिक तत्वों की संगति के कारण आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आसकती है। आपका अपने जीवनसाथी व संतान के साथ संबंधों में मधुरता की कमी आ सकती है एवं उनसे सुख व सहयोग की प्राप्ति भी कम हो सकती है। आपका अपने मित्रों के साथ सबंधों में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं एवं उनसे प्राप्त होने वाले सुख व सहयोग में कमी आ सकती है। स्वजनों में आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपका अपने विरोधियों के साथ संघर्षपूर्ण समय हो सकता है। आपको नए वस्त्र व वाहन का सुख प्राप्त होने के योग हैं।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश चौथे भाव में स्थित है। इस माह राज्यपक्ष से आपके अच्छे सम्बंध रहेंगे। आपको जमीन–जायदाद का सुख प्राप्त होने के योग हैं। चौपाये पशु का सुख भी प्राप्त हो सकता है एवं कृषि कार्यों से लाभ की प्राप्ति होगी। आपके अन्य कार्य भी अनुकूल रूप से पूर्ण हो सकते हैं। आपको माता का सुख प्राप्त होगा एवं उनसे भरपूर सहयोग भी मिल सकता है। आप अपने सगे–संबंधियों के साथ सुख–शांतिमय व मनोरंजनपूर्ण समय व्यतीत करेंगे।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा ग्यारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायकरहेगा। आपका मन धार्मिक क्रियाओं में लीन रहेगा एवं अनेक प्रकार के पूजा–पाठ आदि भी करेंगे। आपको संतान से संबंधी भी सुख प्राप्त होगा, एवं संतान की प्राप्ति होने की भी संभावना है। इस माह आपको उत्तम धन लाभ होने के योग हैं। आपमें बौद्धिक विकास होगा एवं आप अपनी समस्याओं का समाधान सुगमतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। आपका अपने प्रियजनों के साथ मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी। आप मानसिक रूप से संतुष्ट व प्रसन्नचित्त रहेंगे। आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य पांचवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आपको अपने पारिवारिक जनोंके साथ–साथ स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। जैसाकि इस माह आपके प्रियजनों कोकिसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। आपके जीवनसाथी एवं संतान को भी कोई पीड़ा रह सकती है। इसके अतिरिक्त आपको भी किसी प्रकार के आघात से कष्ट होने की संभावनाएं हैं अथवा बुद्धि की कमी महसूस हो सकती है। किसी भी समस्या के समाधान के लिए बुद्धिमतापूर्ण निर्णय लेने मे कठिनाई हो

सकती है। धन हानि होने की भी संभावना है। व्यर्थ के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा छठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस माह में आपको मानसिक व शारीरिक पीड़ा हो सकती है। राज्यपक्ष अथवा कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार की प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। आप वायु व कफसे संबंधित विकारों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको चोर, लुटेरों व ठगों आदि से भय हो सकता है, अतः आपको इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। आपका अपने बंधु–बांधवों के साथ मतभेद हो सकता है एवं संबंधों में कटुता आ सकती है। अतः आपको ऐसी स्थिति से बचने का भरपूर प्रयास करना चाहिए।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल सातवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कष्टकारक हो सकता है। इस माह आपको किसी परिस्थितिजन्य कारणों से अपना जन्मस्थान छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है अथवा अनेक यात्राएं करनी पड़ सकती है। जिससे खर्चों में वृद्धि हो सकती है एवंधन की कमी जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए आपको सोच समझकर व्यय करना चाहिए एवंउचित मात्रा में धन का प्रबन्ध रखने का प्रयास करना चाहिए। शारीरिक रूप से आप अस्वस्थ हो सकते हैं। आपके जीवनसाथी को किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। यहां तक कि आपके मित्रों को भी किसी प्रकार हानि का सामना करना पड़ सकता है।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। इस माह आपको अपने कार्यक्षेत्र में लाभ प्राप्त होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आपका संबंध मधुरव प्रेमपूर्ण रहेगा एवं दाम्पत्य सुख की प्राप्ति होगी। अपने सगे सम्बन्धियों एवं मित्रों के साथ भी सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे, उनसे आपको मान–सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में आपकी रूचि अधिक होगी एवं पूजा, अर्चना व धार्मिक अनुष्ठानों में आप भाग लेंगे। यदि आप पशुपालन करते हैं तोआपको पशुओं का सुख प्राप्त हो सकता है एवं आप वाहन संबंधी सुख भी प्राप्त कर सकते हैं।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु तीसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए सामान्यतः शुभ रहेगा। आपका अपने जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे एवं उससे सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी। सगे–सम्बन्धियों एवं मित्रों के साथ मेलजोल बढ़ेगा एवं सम्बन्धों में मधुरता आएगी। व्यापारी वर्ग से आपको उचित लाभ प्राप्त होगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार अच्छा रहेगा। आप परोपकार एवं परसेवा से सुख की अनुभूति करेंगे।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपके धन–वैभव में वृद्धि होगी एवं जीवन स्तर ऊँचा उठेगा व रहन–सहन के ढंग में परिवर्तन आएगा। आपको धनोपार्जन के स्रोत प्राप्त होंगे, जिससे आपको अतिरिक्त लाभ मिलेगा। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। आपका अपने सगे–सम्बन्धियों व मित्रों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे एवं

सुखमय व शांतिपूर्ण समय व्यतीत होगा।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि तीसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। धनोपार्जन की स्थिति उत्तम रहेगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य व निरोगरहेंगे। आपका अपने अधिकारी वर्ग के साथ मधुर व मित्रवत सम्बन्ध रहेंगे। किसी प्रकार की भय की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना नहीं है। अधिकांशतः दुखों से छुटकारा मिलेगा।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु सातवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आपको अपने घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं विशेषकर कमर व कमर में कष्ट हो सकता है। साथ ही आप वायुजनित रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपके जीवनसाथी को भी शारीरिक अथवा मानसिक रूप से किसी प्रकार की कोई पीड़ा हो सकती है।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु लग्न में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। इस महीने आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप वायु सम्बन्धी विकारों से पीड़ित हो सकते हैं। आपके मित्रों को भी किसी प्रकार की कोई परेशानी हो सकती है। लोगों के साथ आपका विवाद हो सकता है एवं स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। आपके परिवारजनों को भी कोई परेशानी अथवा कष्ट हो सकता है।

मासिक कुण्डली (5)

खुशी, हर्ष और उल्लास

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 16:04:2021 मास प्रवेश समय : 10:00:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश शुक्र अत्यंत शक्तिशाली स्थिति में है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। इस माह में आपको अच्छा व स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होने के साथ–साथ सुन्दर वस्त्राभूषण भी प्राप्त होंगे। आपको वाहन का सुख प्राप्त होने की संभावना है एवं संभवतः आप नया वाहन भी खरीद सकते हैं। आपकी आसक्ति भौतिक भोग विलासितापूर्ण वस्तुओं के प्रति अधिक होगी। आप विलासितापूर्ण जीवन यापन करना चाहेंगे। राज्य पक्ष एवं कार्यक्षेत्र में शांति व सहयोगपूर्ण वातावरण रहेगा।आपका अपने मित्रों के साथ मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे भरपूर सुख व सहयोग प्राप्त होगा। आपके स्वजनों में आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपको अपने जीवनसाथी व संतान का पूर्ण सुख व सहयोगप्राप्त होगा एवं उनके साथ संबंधों में मधुरता आएगी। आपके शत्रु परास्त होंगे। आपमें नीतिगत बुद्धिका विकास होने से आप गलत कार्यों के प्रति सजग रहेंगे।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश ग्यारहवें भाव में स्थित है। इस माह आपको अपने कार्यक्षेत्र मेंपर्याप्त सम्मान, सुख व सहयोग प्राप्त होगा, किसी प्रकार की विशेष असुविधा की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना नहीं है। आपको धन–धान्य की प्राप्ति होगी। संतान से संबंधित सुखद समाचार प्राप्त होने की संभावना है। आपके द्वारा किए गए उद्योगों में सफलता मिलेगी। इस माह आपको उत्तम व स्वादिष्ट भोजन का सुख प्राप्त होगा।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकताहै। इस माह में आपको धन हानि हो सकती है एवं खर्चों में वृद्धि हो सकती है। कृषि कार्यों में भी हानि होने की संभावना है। आपके शत्रु आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं रोगों में वृद्धि के कारण पीड़ित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपको कुछ गुप्त चिन्ताएं हो सकती हैं, जिसके कारण आपका मन व्यथित महसूस कर सकता है।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य ग्यारहवें भाव में स्थित है। अतः इस माह राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्य आपके हित में होंगे। आपकी परिस्थितिनुसार आपको चौपाए पशु अथवा वाहन खरीदने का सुख प्राप्त होने के योग हैं। आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य और निरोग रहेंगे। अपने प्रियजनों व मित्रों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे एवं आप उनके साथ सुखमय व आनन्दपूर्ण समय व्यतीत करेंगे।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कुछ प्रतिकूल हो सकता है। इस माह अत्यधिक अपव्यय के कारण धन हानि हो सकती है। आपके शत्रुओं में वृद्धि हो सकती है एवं नए शत्रु भी उत्पन्न हो सकते हैं। मित्रों के साथ संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। पारिवारिक वातावरण भी क्लेशपूर्ण व तनावयुक्त हो सकता है। आप नेत्र एवं पाचन क्रिया से संबन्धित रोगोंसे ग्रसित हो सकते हैं एवं भूख में कमी आ सकती है।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल लग्न में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कुछ हद तक प्रतिकूल हो सकता है। आपका अपने बंधु–बांधवों से मतभेद व विवाद हो सकता है, किन्तु यदि आप स्वयं पर संयम बरतते हैं तो ऐसी स्थिति से बच सकते हैं। आप रोगादि से ग्रसित हो सकते हैं, विशेष रूप से सिर, मुख से संबंधित रोग हो सकते हैं, इसके अतिरिक्त आप रक्त व पित्त से संबन्धित विकारों से भी ग्रसित हो सकते हैं। आपको अनावयश्क खर्चों पर नियंत्रण करना चाहिए, क्योंकि अपव्यय से हानि हो सकती है।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध दसवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। इस माह राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित कार्यों में आपको लाभ मिलेगा। यदि आप विवेकपूर्ण ढंग से कार्य करते हैं तो व्यापार में भी लाभ प्राप्त होने की सम्भावनाएं हैं। आपके बल एवं तेज में वृद्धि होगी, साथ ही आपके अधिकारों में भी वृद्धि होगी। आप अपनी समस्याओं का समाधान पाने में सफल रहेंगे। आपका अपने स्वजनों से मधुर संबंध रहेगा एवं उनसे सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी। आपके शत्रु परास्त होंगे। आप कोई लाभकारी यात्रा भी कर सकते हैं।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह सामान्यतः आपके लिए अनुकूलरहेगा। इस माह धनागम की स्थिति अच्छी रहेगी एवं आप अनेक प्रकार के पदार्थों का उपभोग करेंगे। धर्म के प्रति आपकी आस्था अधिक होने से आप धार्मिक कार्यों व अनुष्ठानों आदि में सम्मिलित होंगे। राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित कोई परेशानी नहीं होगी एवं सबकुछ शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होगा।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र गयारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपको श्वेत वस्तुओं अथवा जलमार्ग से प्राप्त होने वाली वस्तुओं के व्यापार से लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। इस माह आपका मिलन आपके किसी प्रिय व्यक्ति से हो सकता है, जिससे आपको प्रसन्नता प्राप्त होगी। आपकी रूचि नौका विहार के प्रति अधिक रह सकती है। आपको अपने कार्योंमें सफलता मिलेगी एवं सुखद समाचार मिलने की भी संभावनाएं हैं।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं होसकता है। इस माह व्यर्थ के खर्चे अधिक हो सकते हैं। आपके परिवारजनों को किसी प्रकार का कोई

कष्ट हो सकता है। इस माह किसी गंभीर संकटपूर्ण की स्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है। इसकेअतिरिक्त आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं किसी गंभीर बीमारी से भी पीड़ित हो सकते हैं। अतः आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कष्टकारक हो सकता है। इस महीने आपको राज्यपक्ष या कार्य क्षेत्र से सम्बन्धित कार्यों में कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ व रोग से पीड़ित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपके जीवनसाथी को भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। किन्तु आपके शत्रु आपका अहित करने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं उन्हे पराजय मिलेगी।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु छठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धनोपार्जन के स्रोत प्राप्त होंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। आपको अपने पारिवारिक जनों से भरपूर सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आप उनके साथ सुखमय व शांतिपूर्ण समयव्यतीत करेंगे। आपके शत्रु आपका अहित करने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं पराजित होंगे।

मासिक कुण्डली (6)

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)
(मास प्रवेश दिन : 17:05:2021 मास प्रवेश समय : 07:45:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश दसवें भाव में स्थित है। इस माह आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। आपको भौतिक भोग–विलास के सुख साधन प्राप्त होंगे एवं अन्य प्रकार के सुखों की भी अनुभूति होगी। नौकरी के क्षेत्र में आप उन्नति करेंगे। आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकताहै। इस माह में आपको धन हानि हो सकती है एवं खर्चों में वृद्धि हो सकती है। कृषि कार्यों में भी हानि होने की संभावना है। आपके शत्रु आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं रोगों में वृद्धि के कारण पीड़ित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपको कुछ गुप्त चिन्ताएं हो सकती हैं, जिसके कारण आपका मन व्यथित महसूस कर सकता है।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आप शरीरिक रूप से पीड़ितरह सकते हैं। आपको नेत्र एवं पित्त से संबंधी विकारों से ग्रसित होना पड़ सकता है। आपके व्यर्थ केखर्चे अत्यधिक हो सकते हैं। आपको अपने मित्रों व प्रियजनों से सहयोग प्राप्त नहीं हो सकता है, आपकेप्रति उनके मन में स्नेह की कमी आ सकती है एवं कटुता की भावना उत्पन्न सकती है। अतः यह माह आपके लिए कुछ हद तक कष्टकारक रह सकता है।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा दूसरे भाव में स्थित है। अतः आप इस महीने श्वेत वस्तुओं के व्यापार से लाभ प्राप्त कर सकते हैं अथवा आपको श्वेत वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। सामान्यतः आप रोगादि से मुक्त रहेंगे एवं स्वास्थ्य सुख की अनुभूति करेंगे। आपका अपने बंधु–बांधवों के साथ अच्छे संबंध रहेंगे, उनसे आपका सम्पर्क बढ़ेगा एवं आपको उनका सहयोग भी प्राप्त होगा।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल लग्न में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कुछ हद तक

प्रतिकूल हो सकता है। आपका अपने बंधु–बांधवों से मतभेद व विवाद हो सकता है, किन्तु यदि आप स्वयं पर संयम बरतते हैं तो ऐसी स्थिति से बच सकते हैं। आप रोगादि से ग्रसित हो सकते हैं, विशेष रूप से सिर, मुख से संबंधित रोग हो सकते हैं, इसके अतिरिक्त आप रक्त व पित्त से संबन्धित विकारों से भी ग्रसित हो सकते हैं। आपको अनावयश्क खर्चों पर नियंत्रण करना चाहिए, क्योंकि अपव्यय से हानि हो सकती है।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कुछ हद तक प्रतिकूल हो सकता है। इस माह आपको राज्यपक्ष से सम्बन्धित कार्यों पर धन व्यय करना पड़ सकता है अथवा किसी प्रकार का दण्ड या बकाया राशि का भुगतान आदि करना पड़ सकता है। व्यापार से प्राप्त होने वाले लाभ में कमी आ सकती है। किसी भी प्रकार के लाभप्रद कार्यों के सफल होने की संभावना कम हो सकती है अथवा अत्यंत कम लाभ प्राप्त हो सकता है। आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। शारीरिक रूप से आप रोगादि से ग्रसित हो सकते हैं। आपका अपने स्वजनों से मतभेद व विवाद उत्पन्न हो सकता है।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह सामान्यतः आपके लिए अनुकूलरहेगा। इस माह धनागम की स्थिति अच्छी रहेगी एवं आप अनेक प्रकार के पदार्थों का उपभोग करेंगे। धर्म के प्रति आपकी आस्था अधिक होने से आप धार्मिक कार्यों व अनुष्ठानों आदि में सम्मिलित होंगे। राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित कोई परेशानी नहीं होगी एवं सबकुछ शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होगा।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र बारहवें भाव में स्थित है। अतः इस महीने आपके सगे–सम्बन्धी व मित्र द्वेष उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि इस माह आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है, किन्तु यह खर्चे अच्छे कार्यों के लिए हो सकते हैं। आपके मन में उदासीनता व अनासक्ति के भाव पनप सकते हैं। इस माह आपको अपने घर से दूर रहना पड़ सकता है।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं होसकता है। इस माह व्यर्थ के खर्चे अधिक हो सकते हैं। आपके परिवारजनों को किसी प्रकार का कोई कष्ट हो सकता है। इस माह किसी गंभीर संकटपूर्ण की स्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है। इसकेअतिरिक्त आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं किसी गंभीर बीमारी से भी पीड़ित हो सकते हैं। अतः आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कष्टकारक हो सकता है। इस महीने आपको राज्यपक्ष या कार्य क्षेत्र से सम्बन्धित कार्यों में कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ व रोग से पीड़ित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त

आपके जीवनसाथी को भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। किन्तु आपके शत्रु आपका अहित करने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं उन्हे पराजय मिलेगी।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु छठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धनोपार्जन के स्रोत प्राप्त होंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। आपको अपने पारिवारिक जनों से भरपूर सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आप उनके साथ सुखमय व शांतिपूर्ण समयव्यतीत करेंगे। आपके शत्रु आपका अहित करने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं पराजित होंगे।

मासिक कुण्डली (7)

स्वास्थ्य से संबन्धित परेशानी

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 17:06:2021 मास प्रवेश समय : 14:54:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश शुक्र मध्यम बली है। अतः यह माह आपको मिश्रित फल प्रदान करेगा जिसमें अशुभ फलों की अधिकता हो सकती है। इस माह राज्य पक्ष व कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति सामान्य रहेगी। आपमें नीतिगत बुद्धि का विकास होने से आप गलत कार्यों के प्रति आकर्षित नहीं होंगे, किन्तु कभी–कभी कुछ असामाजिक तत्वों की संगति के कारण आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आसकती है। आपका अपने जीवनसाथी व संतान के साथ संबंधों में मधुरता की कमी आ सकती है एवं उनसे सुख व सहयोग की प्राप्ति भी कम हो सकती है। आपका अपने मित्रों के साथ सबंधों में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं एवं उनसे प्राप्त होने वाले सुख व सहयोग में कमी आ सकती है। स्वजनों में आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपका अपने विरोधियों के साथ संघर्षपूर्ण समय हो सकता है। आपको नए वस्त्र व वाहन का सुख प्राप्त होने के योग हैं।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश नौवें भाव में स्थित है। इस माह आपके साहस व पराक्रम में वृद्धि होगी तथा आप अपने कठोर परिश्रम के द्वारा कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। आपकी रूचि धार्मिक क्रियाकलापों में अधिक रहेगी एवं आप देवी–देवताओं के पूजा–पाठ में एवं ब्राह्मणों व पुरोहितों के सेवा भावमे लीन रहेंगे। इस माह आप किसी तीर्थयात्रा पर भी जा सकते हैं। आप अपने घर–परिवार व बंधु–बांधवों के साथ सुख–शांतिपूर्ण वातावरण में सुखद समय व्यतीत करेंगे एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल फलदायक हो सकता है। इस माह आपके कार्यक्षेत्र अथवा राज्यपक्ष में कार्य आपके हित में नहीं हो सकते हैं एवं कोई परेशानी वाली स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कृषिकार्यों से संबंधित खर्चों में वृद्धि हो सकती है।अत्यधिक अपव्यय होने से आपको कठिनाई की अनुभूति हो सकती है। शारीरिक रूप से आप किसी रोगसे पीड़ित हो सकते हैं एवं अस्वस्थ व कमजोरी महसूस कर सकते हैं। आपके शत्रु आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। आपके मन में व्याकुलता या आलस्य का भाव उत्पन्न होसकता है, जिससे आप मन लगाकर उद्योग नहीं कर सकते हैं। आपका अपने प्रियजनों अथवा अन्य लोगों से किसी प्रकार का विवाद या मतभेद उत्पन्न हो सकता है।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य नौवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आपमें धार्मिक क्रियाओं, पूजा–पाठ आदि के प्रति अधिक झुकाव उत्पन्न होगा एवं आप इनमें भाग लेंगे। आपका मन व्याकुल व चिन्तित रह सकता है। आपका अपने जीवनसाथी एवं संतान के साथ वाद–विवाद व झगड़े हो सकते हैं,

अतः आपको इनसे बचने का भरपूर प्रयास करना चाहिए।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा ग्यारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपको श्वेत वस्तुओं के व्यापार से लाभ प्राप्त हो सकता है। धनोपार्जन की स्थिति उत्तमरहेगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। परिस्थितिनुसार इस माह संतान की उत्पत्ति होने से आपको संतान का सुख प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। आपको उत्तम वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। आप आवास संबंधी सुख प्राप्त कर सकते हैं, स्वयं का या नया आवास भी प्राप्त कर सकते हैं।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल दसवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित कार्य आपके हित में होने की संभावनाएं हैं। आपके तेज में वृद्धि होगी, अधिकारी वर्ग आपके कार्यों से प्रसन्न होंगे एवं आपको उनसे भरपूर सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। लोग आपके कार्यों से प्रभावित होंगे, उनकी सराहना करेंगे एवं आपको मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। आपको व्यापार में भी पर्याप्त धन लाभ होगा।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह राज्यपक्ष व कार्यक्षेत्र में आपको उचित सम्मान व महत्व प्राप्त होगा एवं आपके हित में कार्य सम्पन्न होंगे। आप अपने पारिवारिक जनों के साथ सुखमय व शांतिपूर्ण वातावरण में मनोरंजनपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। आपके शत्रु व विरोधी आपको हानि पहुंचाने में सक्षम नहीं हो सकेंगे एवं पराजित होंगे। आपको अपने कार्यों में सफलता मिलेगी एवं उससे लाभ की प्राप्ति होगी।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपमें उत्तम बुद्धि का विकास होगा एवं आप विवेकपूर्ण ढंग से निर्णय लेकर अपने कार्यों को सफल बनाने में सक्षम होंगे। अपनी कुशाग्र बुद्धि द्वारा आप व्यापार या कार्यक्षेत्र से भी लाभ अर्जित करेंगे। इस माह आपको संतान से सम्बन्धित शुभ फल प्राप्त होने के योग है एवं आपको संतान के द्वारा सुख की प्राप्ति भी होगी।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए सामान्यतः अनुकूलरहेगा। इस महीने आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य और निरोग रहेंगे। किन्तु आपको अपने जीवनसाथीएवं संतान से सम्बन्धित किसी प्रकार की कुछ चिन्ताएं हो सकती हैं। आपमें उत्तम बुद्धि का विकास होगा एवं आप अपनी समस्याओ का समाधान विवेकपूर्ण ढंग से करके धनोपार्जन करने में सक्षम होंगे।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। राज्य पक्ष से सम्बन्धित कार्यों में जुर्माना अथवा सरकारी बकाया के रूप में धन खर्च करना पड़ सकता है। आपको अपने व्यावसायिक क्षेत्र से भी लाभ प्राप्त होने की सम्भावना कम ही है। आपके ननिहालपक्ष के लोगों को किसी प्रकार की पीड़ा या परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आपके मित्रों वउनके परिजनों को भी किसी प्रकार की परेशानी हो सकती है।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कष्टकारक हो सकता है। इस महीने आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ व रोग से पीड़ितरह सकते हैं। आपके जीवनसाथी को भी किसी प्रकार की शारीरिक अथवा मानसिक पीड़ा हो सकतीहै। आप यात्राएं कर सकते हैं, जिनसे आपको कोई लाभ होने की संभावना नहीं है, अपितु कष्ट हो सकता है। आपका अपने बन्धु–बान्धवों से विवाद व मतभेद हो सकता है।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। इस माह आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। विभिन्न प्रकार की परेशानियों के कारण आप मानसिक रूप से चिन्तित भी रह सकते हैं। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं आपको विशेषतः कमर, मुख व नेत्र से सम्बन्धित विकारों से पीड़ा हो सकती है।

मासिक कुण्डली (8)

कार्यों के सफल होने में बाधा, परेशानी

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 19:07:2021 मास प्रवेश समय : 01:50:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश शुक्र अत्यंत कमजोर स्थिति में है। अतः यह आपके लिए प्रतिकूल साबित हो सकता है। इस माह आप शारीरिक व मानसिक रूप से पीड़ित हो सकते हैं। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। इसलिए आपको अपने शरीर और स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना चाहिए। आप भ्रमपूर्ण स्थिति में पड़ सकते हैं, जिससे आपको कोई निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। आपका अपने मित्रों के साथ मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। विरोधियों के साथ आपको संघर्ष करना पड़ सकता है। आप गलत कार्यों के प्रति आकर्षित भी हो सकते हैं। इस माह कष्टों के साथ–साथ व्यर्थ के खर्चों में वृद्धि की भी संभावनाएं हैं। आपके जीवनसाथी और संतान को कोई विशेष कष्ट हो सकता है एवं साथ ही किसी प्रकार की दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है। अतः आपको उनके स्वास्थ्य के प्रति भीसावधानी रखनी चाहिए।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश चौथे भाव में स्थित है। इस माह राज्यपक्ष से आपके अच्छे सम्बंध रहेंगे। आपको जमीन–जायदाद का सुख प्राप्त होने के योग हैं। चौपाये पशु का सुख भी प्राप्त हो सकता है एवं कृषि कार्यों से लाभ की प्राप्ति होगी। आपके अन्य कार्य भी अनुकूल रूप से पूर्ण हो सकते हैं। आपको माता का सुख प्राप्त होगा एवं उनसे भरपूर सहयोग भी मिल सकता है। आप अपने सगे–संबंधियों के साथ सुख–शांतिमय व मनोरंजनपूर्ण समय व्यतीत करेंगे।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह आपको धनोपार्जन के साधन प्राप्त होंगे एवं धन लाभ होगा। आपके अभीष्ट की सिद्धि होगी। आपमें उत्तम बुद्धि का विकास होगा एवं आप अपनी समस्याओं का उचित समाधान सुगमतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा एवं ख्याति में वृद्धि होगी एवं लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान की भावना रहेगी। आपमें धार्मिक कार्यों, पूजा–पाठ, देवी–देवताओं की भक्ति व ब्राह्मणों की सेवा आदि के प्रति रूचि जागृत होगी। आपको सतांन से संबंधी सुख व सहयोग प्राप्त होगा एवं कोई अशुभ या चिन्ताजनक बात नहीं होगी।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य तीसरे भाव में स्थित है। अतः इस माह आप अपने कार्यों में सफलताप्राप्त करेंगे। अत्यधिक धन लाभ होगा एवं आपकी आय में वृद्धि होगी। रोगादि सामान्यतः नहीं होंगेएवं शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे। राज्य पक्ष एवं कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्य आपके अनुकूल होंगे एवं आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपके शत्रु व विरोधी परास्त होंगे।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा छठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस माह में आपको मानसिक व शारीरिक पीड़ा हो सकती है। राज्यपक्ष अथवा कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार की प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। आप वायु व कफसे संबंधित विकारों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको चोर, लुटेरों व ठगों आदि से भय हो सकता है, अतः आपको इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। आपका अपने बंधु–बांधवों के साथ मतभेद हो सकता है एवं संबंधों में कटुता आ सकती है। अतः आपको ऐसी स्थिति से बचने का भरपूर प्रयास करना चाहिए।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल तीसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा।शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य और निरोग रहेंगे। राज्यपक्ष व कार्यक्षेत्र से संबन्धित कार्य भी आपके पक्ष में होंगे एवं आपके कार्यों की लोग प्रशंसा करेंगे। धनोपार्जन के उत्तम साधन प्राप्त होंगे एवं उनसे आयकी प्राप्ति होगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व मनोरंजक रहेगा। आपके शत्रु व विरोधी परास्त होंगे।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह धन लाभ की स्थिति उत्तम रहेगी एवं आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य एवं सामान्यतः निरोग रहेंगे। आपका अपने प्रियजनों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे एवं आपको उनसे पूर्ण सहयोग व सुख प्राप्त होगा।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु दसवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र में आपको उचित महत्व व सम्मान की प्राप्ति होगी। आपको अपने व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ प्राप्त होगा। आपकी ख्याति बढ़ेगी एवं लोग आपके कार्यों की सराहना करेंगे। आपका अपने सगे–सम्बन्धियों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे एवं आपको उनसे उचित सम्मान व सहयोगप्राप्त होगा।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपके धन–वैभव में वृद्धि होगी एवं जीवन स्तर ऊँचा उठेगा व रहन–सहन के ढंग में परिवर्तन आएगा। आपको धनोपार्जन के स्रोत प्राप्त होंगे, जिससे आपको अतिरिक्त लाभ मिलेगा। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। आपका अपने सगे–सम्बन्धियों व मित्रों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे एवं सुखमय व शांतिपूर्ण समय व्यतीत होगा।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आपको आर्थिक हानि हो सकती है। आपके परिवारजनों व सगे–सम्बन्धियों को किसी प्रकार की परेशानी या कष्टपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। कोई प्रतिकूल घटना भी घटित हो सकती है। आपमें कुप्रवृत्तियां उत्पन्न होने के कारण आप अनैतिक कार्यों में संलग्न हो सकते

हैं। अतः आपको ऐसी स्थिति से बचने का प्रयत्न करना चाहिए।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु लग्न में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। इस महीने आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप वायु सम्बन्धी विकारों से पीड़ित हो सकते हैं। आपके मित्रों को भी किसी प्रकार की कोई परेशानी हो सकती है। लोगों के साथ आपका विवाद हो सकता है एवं स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। आपके परिवारजनों को भी कोई परेशानी अथवा कष्ट हो सकता है।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु सातवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आपको अपने घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं विशेषकर कमर व कमर में कष्ट हो सकता है। साथ ही आप वायुजनित रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपके जीवनसाथी को भी शारीरिक अथवा मानसिक रूप से किसी प्रकार की कोई पीड़ा हो सकती है।

मासिक कुण्डली (9)

समृद्धि, हर्ष और उल्लास

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 19:08:2021 मास प्रवेश समय : 09:47:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश चंद्रमा मध्यम बली है। अतः यह माह आपके लिए सामान्य फलदायक रहेगा। इस माह आप शारीरिक रूप से कमजोर व दुर्बल हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी से प्राप्त होने वाले सुख व सहयोग में कमी आ सकती है एवं दाम्पत्य सुख में बाधाएं आ सकतीहैं। आपका अपने प्रियजनों से कभी–कभी कुछ मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। आपकी रूचि भ्रमण आदि में हो सकती है, किन्तु आपको यात्राओं में कठिनाई हो सकती है। आप लाभ व यश की प्राप्ति के लिए अनेक कार्यों के माध्यम से निरन्तर प्रयास कर सकते हैं, किन्तु आपको उनमें से कुछ कार्यों में ही सफलता प्राप्त हो सकती है।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश चौथे भाव में स्थित है। इस माह राज्यपक्ष से आपके अच्छे सम्बंध रहेंगे। आपको जमीन–जायदाद का सुख प्राप्त होने के योग हैं। चौपाये पशु का सुख भी प्राप्त हो सकता है एवं कृषि कार्यों से लाभ की प्राप्ति होगी। आपके अन्य कार्य भी अनुकूल रूप से पूर्ण हो सकते हैं। आपको माता का सुख प्राप्त होगा एवं उनसे भरपूर सहयोग भी मिल सकता है। आप अपने सगे–संबंधियों के साथ सुख–शांतिमय व मनोरंजनपूर्ण समय व्यतीत करेंगे।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा लग्न में स्थित है। अतः यह मास आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस मास में आपके कार्यक्षेत्र का माहौल आपके अनुकूल रहेगा एवं राज्य पक्ष में भी कार्य आपके पक्ष में होंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। पहले के रोगादि का प्रभाव कम अथवा समाप्त हो जाएंगे। आपको अपने मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके कार्यों में सफलता मिलेगी एवं आपके शत्रु परास्त होंगे। आपको दाम्पत्य सुख की प्राप्ति होगी एवं जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। आपको संतान सुख की भी प्राप्ति होगी। आपकी ख्याति बढ़ेगी एवं लोगों में आपके प्रति सम्मान की भावना रहेगी। आपकोहर ओर से खुशहाली मिलेगी एवं आप प्रसन्नचित्त रहेंगे।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आप शरीरिक रूप से पीड़ितरह सकते हैं। आपको नेत्र एवं पित्त से संबंधी विकारों से ग्रसित होना पड़ सकता है। आपके व्यर्थ केखर्चे अत्यधिक हो सकते हैं। आपको अपने मित्रों व प्रियजनों से सहयोग प्राप्त नहीं हो सकता है, आपकेप्रति उनके मन में स्नेह की कमी आ सकती है एवं कटुता की भावना उत्पन्न सकती है। अतः यह माह आपके लिए कुछ हद तक कष्टकारक रह सकता है।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपको अपने जीवनसाथी व संतान से भरपूर सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं उनके साथ आनन्दपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। आपके स्वजनों के मन में भी आपके लिए सहयोग व प्रेम की भावना रहेगी एवं उनसे प्रसन्नता मिलेगी। यदि आप पशुपालन करते हैं तो आपको चौपाए पशुओं का सुख प्राप्त होगा तथा आपको वाहन का सुख भी प्राप्त हो सकता है। धनोपार्जन की स्थिति भी उत्तम रहेगी।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह महीना आपके लिए अनुकूल नहींहो सकता है। इस माह आपको राज्यपक्ष अथवा कार्यक्षेत्र में किसी प्रतिकूल स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो सकते हैं। आपके जीवनसाथी एवं संतान को भी किसी प्रकार की कोई पीड़ा या परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अतः आपको इस माह इन सभी परिस्थितियों के प्रति सचेत रहना चाहिए।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कुछ हद तक प्रतिकूल हो सकता है। इस माह आपको राज्यपक्ष से सम्बन्धित कार्यों पर धन व्यय करना पड़ सकता है अथवा किसी प्रकार का दण्ड या बकाया राशि का भुगतान आदि करना पड़ सकता है। व्यापार से प्राप्त होने वाले लाभ में कमी आ सकती है। किसी भी प्रकार के लाभप्रद कार्यों के सफल होने की संभावना कम हो सकती है अथवा अत्यंत कम लाभ प्राप्त हो सकता है। आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। शारीरिक रूप से आप रोगादि से ग्रसित हो सकते हैं। आपका अपने स्वजनों से मतभेद व विवाद उत्पन्न हो सकता है।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु छठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अधिक अनुकूल नहीं हो सकता है। इस माह धनोपार्जन की स्थिति अच्छी रह सकती है। आप मानसिक रूप से व्याकुल याव्यथित हो सकते हैं। साथ ही आपका अपने स्वजनों से मनमुटाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। आपके शत्रुओं में वृद्धि हो सकती है एवं आपके नए शत्रु भी पैदा हो सकते हैं। जबकि आपकी शक्ति क्षीण हो सकती है एवं आप स्वयं को कमजोर व बेबस होने जैसा महसूस कर सकते हैं। आपको ऐसी विपरीत परिस्थितियों से बचने का प्रयास करना चाहिए।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र लग्न में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।इस माह राज्यपक्ष से सम्बन्धित कार्य शान्तिपूर्वक सम्पन्न होंगे। आपको अपने कार्यक्षेत्र में मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। सामान्यतः सभी कार्यों से आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस माह किसी नएसदस्य का जन्म होने से आपके पारिवारिक सदस्यों में वृद्धि हो सकती है। आपके आस–पास का वातावरण सुखद एवं मनोरंजनपूर्ण रहेगा।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो

सकता है। इस महीने आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं वात सम्बन्धी रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। आपके जीवनसाथी व संतान को भी कुछ कष्ट हो सकता है। साथ ही आपके सगे–सम्बन्धियों को किसी प्रकार की परेशानी हो सकती है। आपकी बुद्धि भ्रमित हो सकती है एवं आप अपनी समस्याओं का समाधान करने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं। धर्म व धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में आस्था की कमी हो सकती है। इस माह धन का अपव्यय भी हो सकता है।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। इस माह आपको शारीरिक कष्ट हो सकता है। राज्यपक्ष या कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित कार्यों में किसी प्रकार की कठिनाई हो सकती है। आपके द्वारा किए जाने वाले धार्मिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। किसी के मन में आपके प्रति इर्ष्या या द्वेष की भावना उत्पन्न हो सकती है।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु तीसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए सामान्यतः अनुकूल फलदायक साबित होगा। इस महीने आप प्रायः स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। आपके कार्य सिद्ध होंगे एवं आपको अपने कार्यों से लाभदायक प्रतिफल प्राप्त होगा। आपके शत्रु परास्त होंगे। राज्य पक्ष एवं कार्यक्षेत्र से संबन्धित कार्य आपके अनुकूल होंगे एवं आपको उचित सम्मान प्राप्त होगा, जिससे संतुष्टि की अनुभूति होगी। आपका अपने सगे सम्बन्धियों के साथ मधुर सम्बन्ध रहेंगे एवं आपको उनसे भरपूर सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी।

मासिक कुण्डली (10)

मृत्युतुल्य कष्ट, खतरा

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 19:09:2021 मास प्रवेश समय : 08:54:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश शुक्र अत्यंत कमजोर स्थिति में है। अतः यह आपके लिए प्रतिकूल साबित हो सकता है। इस माह आप शारीरिक व मानसिक रूप से पीड़ित हो सकते हैं। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। इसलिए आपको अपने शरीर और स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना चाहिए। आप भ्रमपूर्ण स्थिति में पड़ सकते हैं, जिससे आपको कोई निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। आपका अपने मित्रों के साथ मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। विरोधियों के साथ आपको संघर्ष करना पड़ सकता है। आप गलत कार्यों के प्रति आकर्षित भी हो सकते हैं। इस माह कष्टों के साथ–साथ व्यर्थ के खर्चों में वृद्धि की भी संभावनाएं हैं। आपके जीवनसाथी और संतान को कोई विशेष कष्ट हो सकता है एवं साथ ही किसी प्रकार की दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है। अतः आपको उनके स्वास्थ्य के प्रति भीसावधानी रखनी चाहिए।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश लग्न भाव में स्थित है। इस माह आपको आर्थिक लाभ मिलेगा, धन की प्राप्ति होगी एवं धन का संचय भी सकते हैं। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य रहेंगे। आपमें बुद्धि का विकास होगा एवं आप अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से करने में सक्षम होंगे। आपकी आस्था धार्मिक कार्यों, पूजा–पाठ आदि में अधिक रहेगी।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल फलदायक हो सकता है। इस माह आपके कार्यक्षेत्र अथवा राज्यपक्ष में कार्य आपके हित में नहीं हो सकते हैं एवं कोई परेशानी वाली स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कृषिकार्यों से संबंधित खर्चों में वृद्धि हो सकती है।अत्यधिक अपव्यय होने से आपको कठिनाई की अनुभूति हो सकती है। शारीरिक रूप से आप किसी रोगसे पीड़ित हो सकते हैं एवं अस्वस्थ व कमजोरी महसूस कर सकते हैं। आपके शत्रु आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। आपके मन में व्याकुलता या आलस्य का भाव उत्पन्न होसकता है, जिससे आप मन लगाकर उद्योग नहीं कर सकते हैं। आपका अपने प्रियजनों अथवा अन्य लोगों से किसी प्रकार का विवाद या मतभेद उत्पन्न हो सकता है।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आप शरीरिक रूप से पीड़ितरह सकते हैं। आपको नेत्र एवं पित्त से संबंधी विकारों से ग्रसित होना पड़ सकता है। आपके व्यर्थ केखर्चे अत्यधिक हो सकते हैं। आपको अपने मित्रों व प्रियजनों से सहयोग प्राप्त नहीं हो सकता है, आपकेप्रति उनके मन में स्नेह की कमी आ सकती है एवं कटुता की भावना उत्पन्न सकती है। अतः यह माह आपके लिए कुछ हद तक कष्टकारक रह सकता है।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा पांचवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आपको उत्तम धन लाभ होगा एवं आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से संबंधित आपके कार्य आपके अनुकूल होंगे एवं सफलता मिलेगी। आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपका अपने जीवनसाथी के साथ प्रेमपूर्ण संबंध रहेगा एवं दाम्पत्य सुख की प्राप्ति होगी। आप संतान सुख का आनन्द लेंगे, उनके साथ मधुर सम्बन्ध रहेगा एवं उनसे सहयोग प्राप्त होगा। आपका बौद्धिक विकास होगा। आपके शत्रु पूर्णतः पराजित होंगे।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह महीना आपके लिए अनुकूल नहींहो सकता है। इस माह आपको राज्यपक्ष अथवा कार्यक्षेत्र में किसी प्रतिकूल स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो सकते हैं। आपके जीवनसाथी एवं संतान को भी किसी प्रकार की कोई पीड़ा या परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अतः आपको इस माह इन सभी परिस्थितियों के प्रति सचेत रहना चाहिए।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कुछ हद तक प्रतिकूल हो सकता है। इस माह आपको राज्यपक्ष से सम्बन्धित कार्यों पर धन व्यय करना पड़ सकता है अथवा किसी प्रकार का दण्ड या बकाया राशि का भुगतान आदि करना पड़ सकता है। व्यापार से प्राप्त होने वाले लाभ में कमी आ सकती है। किसी भी प्रकार के लाभप्रद कार्यों के सफल होने की संभावना कम हो सकती है अथवा अत्यंत कम लाभ प्राप्त हो सकता है। आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। शारीरिक रूप से आप रोगादि से ग्रसित हो सकते हैं। आपका अपने स्वजनों से मतभेद व विवाद उत्पन्न हो सकता है।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धनोपार्जन की स्थिति अच्छी रहेगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। आपका बौद्धिक विकास होगा एवं आप सभी कार्यों को विवेकपूर्ण ढंग से उचित निर्णय लेकर सफल बनाने में सक्षम होंगे। व्यापार से भी लाभ प्राप्त होगा। आपको दाम्पत्य सुख एवं संतान सुख की प्राप्ति होगी एवं अपने परिवारजनों के साथ सुखमय व शांतिपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। सगे–सम्बन्धियों के साथ भी आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे एवं उनसेसहयोग की प्राप्ति होगी।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र लग्न में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।इस माह राज्यपक्ष से सम्बन्धित कार्य शान्तिपूर्वक सम्पन्न होंगे। आपको अपने कार्यक्षेत्र में मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। सामान्यतः सभी कार्यों से आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस माह किसी नएसदस्य का जन्म होने से आपके पारिवारिक सदस्यों में वृद्धि हो सकती है। आपके आस–पास का वातावरण सुखद एवं मनोरंजनपूर्ण रहेगा।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। राज्य पक्ष से सम्बन्धित कार्यों में जुर्माना अथवा सरकारी बकाया के रूप में धन खर्च करना पड़ सकता है। आपको अपने व्यावसायिक क्षेत्र से भी लाभ प्राप्त होने की सम्भावना कम ही है। आपके ननिहालपक्ष के लोगों को किसी प्रकार की पीड़ा या परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आपके मित्रों वउनके परिजनों को भी किसी प्रकार की परेशानी हो सकती है।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कष्टकारक हो सकता है। इस महीने आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ व रोग से पीड़ितरह सकते हैं। आपके जीवनसाथी को भी किसी प्रकार की शारीरिक अथवा मानसिक पीड़ा हो सकतीहै। आप यात्राएं कर सकते हैं, जिनसे आपको कोई लाभ होने की संभावना नहीं है, अपितु कष्ट हो सकता है। आपका अपने बन्धु–बान्धवों से विवाद व मतभेद हो सकता है।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु दूसरे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। इस माह आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। विभिन्न प्रकार की परेशानियों के कारण आप मानसिक रूप से चिन्तित भी रह सकते हैं। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं आपको विशेषतः कमर, मुख व नेत्र से सम्बन्धित विकारों से पीड़ा हो सकती है।

मासिक कुण्डली (11)

कार्यों के सफल होने में बाधा, परेशानी

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 19:10:2021 मास प्रवेश समय : 19:56:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश बुध पूर्ण रूप से शक्तिशाली स्थिति में है। अतः यह माह आपको शुभ फल प्रदान करेगा। इस माह आपको अपने कार्य क्षेत्र में प्रधानता हासिल होगी। यदि आप अध्ययनरत हैं तो आपका मन अध्ययन में तल्लीन रहेगा। आप में अच्छी बुद्धि व चतुराई का विकास होगा, जिससे आप अपनी समस्याओं का समाधान विवेकपूर्ण ढंग से सोच–समझकर निर्णय लेने के पश्चात करेंगे।यदि आप कला के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं तो आपको इसमें सफलता प्राप्त होगी, आप निपुणता हासिल करेंगे। आप नीतिपूर्ण ढंग से व्यवहार करेंगे। आपको राज्य पक्ष से संबंधित कार्यों में सफलता हासिल होगी। इस माह अच्छे कार्यों के प्रति आपकी रूचि जागृत होगी। किसी विषय पर गोष्ठी आदि में आप अपनी विद्वता सिद्ध करने में सफल रहेंगे एवं दूसरों को प्रभावित करेंगे। आपको विभिन्न प्रकार के मनोरंजनएवं विलास के अवसर प्राप्त होंगे।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश पांचवें भाव में स्थित है। इस माह आपको आय के अनेक स्रोत प्राप्त हो सकते हैं, जिनसे आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपको अनेक प्रकार के सुख प्राप्त होंगे। आपकी संतान सुखी रहेगी एवं संतान संबंधी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है अथवा संतान प्राप्ति का योग भी बन सकता है। आप अपनी समस्याओं का समाधान बुद्धिमतापूर्ण ढंग सेकरेंगें, जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह आपको धनोपार्जन के साधन प्राप्त होंगे एवं धन लाभ होगा। आपके अभीष्ट की सिद्धि होगी। आपमें उत्तम बुद्धि का विकास होगा एवं आप अपनी समस्याओं का उचित समाधान सुगमतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा एवं ख्याति में वृद्धि होगी एवं लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान की भावना रहेगी। आपमें धार्मिक कार्यों, पूजा–पाठ, देवी–देवताओं की भक्ति व ब्राह्मणों की सेवा आदि के प्रति रूचि जागृत होगी। आपको सतांन से संबंधी सुख व सहयोग प्राप्त होगा एवं कोई अशुभ या चिन्ताजनक बात नहीं होगी।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य छठवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आपको पारिवारिक सुख–शांतिप्राप्त होगी, दाम्पत्य सुख का आनन्द प्राप्त होगा एवं आपको अपने जीवनसाथी, संतान व परिजनोंका भरपूर सुख व सहयोग प्राप्त होगा। आपके शत्रु परास्त होंगे। राज्यपक्ष से संबंधित कार्य आपकेहित में होंगे। आपके मान–सम्मान मे वृद्धि होगी एवं आपमें धैर्य व संयम उत्पन्न होगा।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा ग्यारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपको श्वेत वस्तुओं के व्यापार से लाभ प्राप्त हो सकता है। धनोपार्जन की स्थिति उत्तमरहेगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। परिस्थितिनुसार इस माह संतान की उत्पत्ति होने से आपको संतान का सुख प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। आपको उत्तम वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। आप आवास संबंधी सुख प्राप्त कर सकते हैं, स्वयं का या नया आवास भी प्राप्त कर सकते हैं।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके जीवनसाथी और संतान के लिए अनुकूल नहीं है। उनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। आप भी मानसिक रूप से तनावग्रस्त रह सकते हैं। इस माह लाभ में कमी हो सकती है एवं धन हानि भी होने के योग बन सकते हैं। अतः आपको संयमपूर्वक इनके निवारण का प्रयत्न करना चाहिए।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह राज्यपक्ष से सम्बन्धित कार्य आपकी इच्छा के अनुरूप होंगे एवं आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपका अपने जीवनसाथी व संतान के साथ मधुर व स्नेहपूर्ण सम्बन्ध रहेगा एवं आप उनके साथ सुखमय व शान्तिपूर्ण समय का आनन्द लेंगे। आपका अपने सगे–सम्बन्धियों एवं मित्रों के साथ भी सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहेगा एवं आपको उनके सानिध्य में सुख व आनन्द की प्राप्ति होगी। आपका बौद्धिक विकास होगा, जिससे आपको अपने कार्यों में सफलता हासिल होगी एवं धनोपार्जन से लाभ मिलेगा।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह सामान्यतः आपके लिए अनुकूलरहेगा। इस माह धनागम की स्थिति अच्छी रहेगी एवं आप अनेक प्रकार के पदार्थों का उपभोग करेंगे। धर्म के प्रति आपकी आस्था अधिक होने से आप धार्मिक कार्यों व अनुष्ठानों आदि में सम्मिलित होंगे। राज्यपक्ष एवं कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित कोई परेशानी नहीं होगी एवं सबकुछ शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होगा।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र सातवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस महीने आपको अपने व्यावसायिक क्षेत्र से लाभ प्राप्त होने के योग हैं। आपको अपने जीवनसाथी और संतान से सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं परिजनों के साथ भी अच्छा संबन्ध रहेगा। आप इन सबके साथ सुखमय व शांतिपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। इस माह आप किसी लाभप्रद यात्रा पर जा सकते हैं, जिससे मनोरंजन के साथ–साथ आत्मसंतुष्टि की भी अनुभूति होगी। सबकुछ अनुकूल होने के योग हैं।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि नौवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आपको आर्थिक हानि हो सकती है। आपके परिवारजनों व सगे–सम्बन्धियों को किसी प्रकार की परेशानी या कष्टपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। कोई प्रतिकूल घटना भी

घटित हो सकती है। आपमें कुप्रवृत्तियां उत्पन्न होने के कारण आप अनैतिक कार्यों में संलग्न हो सकते हैं।अतः आपको ऐसी स्थिति से बचने का प्रयत्न करना चाहिए।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु लग्न में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं हो सकता है। इस महीने आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आप वायु सम्बन्धी विकारों से पीड़ित हो सकते हैं। आपके मित्रों को भी किसी प्रकार की कोई परेशानी हो सकती है। लोगों के साथ आपका विवाद हो सकता है एवं स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। आपके परिवारजनों को भी कोई परेशानी अथवा कष्ट हो सकता है।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु सातवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस महीने आपको अपने घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं विशेषकर कमर व कमर में कष्ट हो सकता है। साथ ही आप वायुजनित रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपके जीवनसाथी को भी शारीरिक अथवा मानसिक रूप से किसी प्रकार की कोई पीड़ा हो सकती है।

मासिक कुण्डली (12)

स्वास्थ्य से संबन्धित परेशानी

वर्षफल – 47 (वर्ष प्रवेश दिन – 18:12:2020 वर्ष प्रवेश समय – 02:55:01)

(मास प्रवेश दिन : 18:11:2021 मास प्रवेश समय : 18:57:01)

मासेश की स्थिति का विश्लेषण :–

आपकी मास कुण्डली में इस माह का मासेश बुध मध्यम बली है। अतः यह माह आपके लिए सामान्य फलदायक रहेगा। यदि आप अध्ययनरत हैं तो आपका मन अध्ययन में लीन रहेगा, किन्तु आपको अपनी आशानुरूप सफलता प्राप्त नहीं होगी। इस माह कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति सामान्य बनी रहेगी। आपका व्यवहार नीतिगत रहेगा, फिर भी आपको सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने में बाधाएं आएंगी। आप किसी विषयपर गोष्ठी/शास्त्रार्थ आदि में अपनी योग्यता सिद्ध करने का प्रयास करेंगे, किन्तु अपने प्रतिद्वन्दी को आप पूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे ऐसा निश्चित नहीं है। यदि आपका संबंध कला के क्षेत्र से है तो इसमें आपको सफलता प्राप्त होने के योग हैं। आपमें अच्छी बुद्धि का विकास होगा एवं आप अपनी समस्याओं काउचित समाधान करने का प्रयास करते रहेंगे।

आपकी मास कुण्डली में, इस माह का मासेश पांचवें भाव में स्थित है। इस माह आपको आय के अनेक स्रोत प्राप्त हो सकते हैं, जिनसे आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपको अनेक प्रकार के सुख प्राप्त होंगे। आपकी संतान सुखी रहेगी एवं संतान संबंधी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है अथवा संतान प्राप्ति का योग भी बन सकता है। आप अपनी समस्याओं का समाधान बुद्धिमतापूर्ण ढंग सेकरेंगें, जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी।

मुन्था की स्थिति का विश्लेषण :–

आपके इस मास की कुण्डली में मुंथा चौथे भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकताहै। इस माह में आपको धन हानि हो सकती है एवं खर्चों में वृद्धि हो सकती है। कृषि कार्यों में भी हानि होने की संभावना है। आपके शत्रु आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं रोगों में वृद्धि के कारण पीड़ित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपको कुछ गुप्त चिन्ताएं हो सकती हैं, जिसके कारण आपका मन व्यथित महसूस कर सकता है।

मास कुण्डली में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण

सूर्य का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में सूर्य छठवें भाव में स्थित है। अतः इस माह आपको पारिवारिक सुख–शांतिप्राप्त होगी, दाम्पत्य सुख का आनन्द प्राप्त होगा एवं आपको अपने जीवनसाथी, संतान व परिजनोंका भरपूर सुख व सहयोग प्राप्त होगा। आपके शत्रु परास्त होंगे। राज्यपक्ष से संबंधित कार्य आपकेहित में होंगे। आपके मान–सम्मान मे वृद्धि होगी एवं आपमें धैर्य व संयम उत्पन्न होगा।

चन्द्रमा का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में चंद्रमा ग्यारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपको श्वेत वस्तुओं के व्यापार से लाभ प्राप्त हो सकता है। धनोपार्जन की स्थिति उत्तमरहेगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। परिस्थितिनुसार इस माह संतान की उत्पत्ति होने से आपको संतान का सुख प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। आपको उत्तम वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। आप आवास संबंधी सुख प्राप्त कर सकते हैं, स्वयं का या नया आवास भी प्राप्त कर सकते हैं।

मंगल का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में मंगल पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके जीवनसाथी और संतान के लिए अनुकूल नहीं है। उनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। आप भी मानसिक रूप से तनावग्रस्त रह सकते हैं। इस माह लाभ में कमी हो सकती है एवं धन हानि भी होने के योग बन सकते हैं। अतः आपको संयमपूर्वक इनके निवारण का प्रयत्न करना चाहिए।

बुध का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में बुध पांचवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस माह राज्यपक्ष से सम्बन्धित कार्य आपकी इच्छा के अनुरूप होंगे एवं आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपका अपने जीवनसाथी व संतान के साथ मधुर व स्नेहपूर्ण सम्बन्ध रहेगा एवं आप उनके साथ सुखमय व शान्तिपूर्ण समय का आनन्द लेंगे। आपका अपने सगे–सम्बन्धियों एवं मित्रों के साथ भी सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहेगा एवं आपको उनके सानिध्य में सुख व आनन्द की प्राप्ति होगी। आपका बौद्धिक विकास होगा, जिससे आपको अपने कार्यों में सफलता हासिल होगी एवं धनोपार्जन से लाभ मिलेगा।

गुरू का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में गुरु आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। इस माह आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। शारीरिक रूप से आप अस्वस्थ हो सकते हैं। आपके जीवनसाथी को भी कोई कष्ट हो सकता है। परदेश यात्रा भी करनी पड़ सकती है। इस माह आपका किसी से वियोग भी हो सकता है। मित्रों से मतभेद व विवाद होने की संभावना है।

शुक्र का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शुक्र सातवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा। इस महीने आपको अपने व्यावसायिक क्षेत्र से लाभ प्राप्त होने के योग हैं। आपको अपने जीवनसाथी और संतान से सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं परिजनों के साथ भी अच्छा संबन्ध रहेगा। आप इन सबके साथ सुखमय व शांतिपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। इस माह आप किसी लाभप्रद यात्रा पर जा सकते हैं, जिससे मनोरंजन के साथ–साथ आत्मसंतुष्टि की भी अनुभूति होगी। सबकुछ अनुकूल होने के योग हैं।

शनि का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में शनि आठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं होसकता है। इस माह व्यर्थ के खर्चे अधिक हो सकते हैं। आपके परिवारजनों को किसी प्रकार का कोई कष्ट हो सकता है। इस माह किसी गंभीर संकटपूर्ण की स्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है। इसकेअतिरिक्त आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रह सकते हैं एवं किसी गंभीर बीमारी से भी पीड़ित हो सकते हैं। अतः आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

राहु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में राहु बारहवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए कष्टकारक हो सकता है। इस महीने आपको राज्यपक्ष या कार्य क्षेत्र से सम्बन्धित कार्यों में कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ व रोग से पीड़ित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपके जीवनसाथी को भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। किन्तु आपके शत्रु आपका अहित करने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं उन्हे पराजय मिलेगी।

केतु का भावगत स्थिति का फल :–

आपकी इस मास की कुण्डली में केतु छठवें भाव में स्थित है। अतः यह माह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धनोपार्जन के स्रोत प्राप्त होंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ्य व निरोग रहेंगे। आपको अपने पारिवारिक जनों से भरपूर सुख व सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आप उनके साथ सुखमय व शांतिपूर्ण समयव्यतीत करेंगे। आपके शत्रु आपका अहित करने में सफल नहीं हो सकेंगे एवं पराजित होंगे।